हिन्दी सान्ध्य दैनिक जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live

वर्ष : 01 अंक–190 : जौनपुर, शुक्रवार 31 मार्च 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

अग्निकांड का राजनीतिकरण न करें : क्षति पर होगा विचार – उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक

कानपुर ब्यूरो : कानपुर में बांसमंडी, हमराज मार्केट के बगल में एआर टॉवर में भीषण आग लग गई। देर रात हुए हादसे में आग ने विकराल रूप ले लिया। दमकल की कई गाड़ियां मौके पर आग पर काबू पाने में जुटी हुई हैं। लगभग छह घंटे से टॉवर जल रहा है। इस हादसे में पांच कॉम्प्लेक्स आग से तबाह हो गए हैं। एक अनुमान के मुताबिक 10 अरब से ज्यादा की क्षति हुई है। बता दें कि ये यूपी का सबसे बड़ा रेडीमेड होलसेल बाजार है। दमकल कर्मियों के द्वारा आग बुझाने का प्रयास अभी भी जारी हैं। मौके पर कानपुर कमिश्नर मौजूद हैं। अगल–बगल के जनपदों से भी मदद ली जा रही है। पुलिस के अनुसार, हवा की वजह से आग बुझाने में दिक्कत आ रही है। एयरफोर्स, आर्मी, सीओडी, ऑर्डिनेंस की गाड़ियां भी मौके पर आ चुकी हैं। जल्द ही आग पर काबू पाने की संभावना है। शॉर्ट सर्किट से आग लगने का अनुमान एआर टॉवर में दो दर्जन से अधिक रेडीमेड कपड़ों की होलसेल दुकानें हैं। बताया जा रहा है कि आग शार्ट सर्किट से लगी जो धीरे–धीरे भड़कते हुए पूरी बिल्डिंग में फैल गई। पुलिस का कहना है कि आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच की जाएगी। कई जनपदों से बुलाई गई फायर ब्रिगेड कानपुर, उन्नाव और लखनऊ समेत कई जिलों की 50 से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आग बुझाने में लगी हैं। डीएम और पुलिस कमिश्नर ने सेना के अफसरों से संपर्क किया है। मौके पर आग बुझाने के लिए सेना की गाड़ियां भी पहुंच गई हैं। मौके पर मौजूद हैं आलाअधिकारी कानपुर पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड, जॉइंट पुलिस कमिश्नर आनंद प्रकाश तिवारी और डीएम मौके पर मौजूद हैं। एयरफोर्स, आर्मी, सीओडी आदि के अधिकारी और गाड़ियां भी मौके पर पहुंच चुकी हैं। हाइड्रोलिक फायर बिग्रेड से चल रहा रेस्क्यू बांसमंडी इलाके में लगी आग की सूचना पर डिप्टी डायरेक्टर फायर अजय कुमार गुप्ता, लखनऊ भी मौके पर पहुंच गए हैं। उनके साथ हाइड्रोलिक फायर ब्रिगेड आई है। बता दें कि हाइड्रोलिक प्लेटफार्म गाड़ी कानपुर में तीन साल से खराब पड़ी है। इससे पहले भी एक गाड़ी आई थी, वो भी खड़े–खड़े बेकार हो गई। सर्च

ऑपरेशन के लिए पहुंची फायर विकेट सपा अध्यक्ष बोले– भाजपा सरकार व्यापारियों का दे मुआवजा अखिलेश यादव ने ट्वीट कर कानपुर आग पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि कपड़ा मंडी में लगी आग पहले से ही नोटबंदी, जीएसबी के छापों और मंदी की मार झेल रहे व्यापारियोंके लिए आर्थिक व मानसिक रूप से एक और गहरी मार है। उप्र भाजपा सरकारव्यापारियों को हुई हानि का तत्काल आकलन कर सच्चे मुआवजे की तुरंत घोषणा करे। साथ ही दमकल की क्षमता का भी आकलन होना चाहिए। बताया जा रहा है कि पान मसाला दुकानदार ज्ञान चंद उर्फ छोटू साहू एआर टॉवर के अंदर सो रहा था। आग लगने के बाद से वो लापता है, जिससे परिजन परेशान हो रहे हैं। वहीं, सर्च ऑपरेशन के लिए फायर विकेट की टीम भी पहुंच गई है। आग पर पाया गया काबू जिलाधिकारी कानपुर विशाख जी ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। आग पर पूरी तरह काबू पाने के लिए हमारी योजना सफल रही है। उन्होंने बताया कि रेडीमेड कपड़ा बाजार में आग लगने की विस्तृत जांच की जाएगी। साथ ही, नुकसान का आकलन भी कराया जाएगा। अग्निकांड का राजनीतिकरण न करें: उप मुख्यमंत्री अनवरगंज में एआर टावर समेत पांच इमारतों में आग लगने की घटना का निरीक्षण करने उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक कानपुर पहुंचे। उनका ये औचक दौरा रहा। मुख्यमंत्री ने पांचों टावर का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा ये दुखद घटना है और इसका राजनीतिकरण करना ठीक नहीं। व्यापारियों की क्षति पर होगा विचार उप मुख्यमंत्री ने कहा की सरकार व्यापारियों के साथ है। हम इस पर आंकलन करेंगे कि उनकी कितनी क्षति हुई है। उसके बाद सरकार विचार करेगी कि इसमें व्यापारियों की कैसे मदद की जा सकती है। उन्होंने कहां की प्रशासन से वास्तविक क्षति को लेकर जांच कराई जाएगी और उसे कागजों में अंकित कर सरकार के सामने रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

हिन्दू भगवा वाहिनी ने हर्षोल्लास के साथ निकाली श्रीराम नवमी पर भव्य शोभायात्रा

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : रामनवमी के उपलक्ष में विभिन्न हिंदूवादी संगठनों द्वारा पूरे नगर में श्री राम चंद्र जी के जन्मोत्सव के उपलक्ष में शोभायात्रा व अन्य कार्यक्रमों का जगह–जगह आयोजन किया गया। नगर के अहमद खां मंडी (अवध नगर)मोहल्ले से राष्ट्रीय हिंदू भगवा वाहिनी की श्री राम सेना ने प्रदेश अध्यक्ष डॉ अंजना सिंह के नेतृत्व में श्री राम दरबार सहित राम दरबार , भारत माता सहित विभिन्न देवी–देवताओं की सुंदर झांकियों के साथ पूरे नगर में शोभायात्रा निकाली शोभा यात्रा की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रमेश सिंह ने की कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय संगठन महामंत्री प्रदीप तिवारी ने किया है श्री राम सेना की पूरी टीम सनी मोदनवाल महेश गुप्ता कल्लू मौर्य सहित पूरे कार्यकर्ताओं ने पूरे नगर को भगवा ध्वज से सजाकर शोभा यात्रा को निकालने में बड़ा ही सहयोग दिया शोभायात्रा में महिला पुरुष सहित बड़ी संख्या में श्रीराम का जयघोष करते हुए लोगों ने प्रतिभाग किया संगठन की महिला पदाधिकारी सीमा तिवारी अर्चना त्रिपाठी रोली सिंह मानसी सिंह अर्चना श्रीवास्तव प्रियंका श्रीवास्तव सोनी सिंह सहित विभिन्न मात्र शक्तियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया कार्यक्रम को सफल बनाने में जिलाध्यक्ष राजीव सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष देवेश उपाध्याय मनोज शुक्ला प्रदेश महामंत्री शैलेंद्र सिंह प्रदेश सचिव सुधीर सिंह सहित संगठन के

पदाधिकारियों का बड़ा ही सहयोग रहा आए हुए अतिथियों के प्रति राष्ट्रीय महासचिव राकेश श्रीवास्तव एवं प्रदेश अध्यक्ष डॉ अंजना सिंह ने संयुक्त रूप से आभार व्यक्त किया मनमोहक श्री राम दरबार की रथ पर सजी छवि को देखकर पूरे नगर वासियों ने पुष्प वर्षा कर शोभा यात्रा का स्वागत किया। इसी क्रम में जहांगीराबाद की जय श्रीराम संस्था द्वारा दिन में हवन पूजन के उपरांत भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया देर शाम संस्था द्वारा भगवान राम की झांकियों के साथ भव्य शोभायात्रा भी निकाली गई जिसमें मोहल्ले वासियों के साथ साथ हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे शोभा यात्रा का जगह–जगह नगर वासियों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया हुआ नगर शोभायात्रा से गुंजायमान रहा।

पाठक बन्धुओं से अनुरोध

आप सभी से अनुरोध है कि ऑनलाइन समाचार पत्र पढ़नें हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट

www.Desh ki upasana.com

का अधिक अधिक उपयोग करें–तथा हमारें यू–ट्यूब चैनल / पोर्टल - **dku live** सत्य एवं प्रमाणिक खबरों के लिए Like&Subscribe जरूर कीजिए।

–संपादक

युवा रचनाकार शिल्पी पांडे की दो पुस्तकों का हुआ लोकार्पण

राजस्थान ब्यूरो (जयपुर) : जवाहर कला केन्द्र के रंगायन सभागार में कुल 60 पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। पंडित जवाहर–लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी, जयपुर राजस्थान के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय जवाहर बाल साहित्य महोत्सव में अकादमी द्वारा उदयपुर की

युवा रचनाकार शिल्पी पांडे की दो पुस्तकों ''मिट्टी की सिंडरेला (बाल उपन्यास)'' व ''तितली (बाल कविता संग्रह)'' का लोकार्पण रमेश बोराणा (राज्यमंत्री एवं उपाध्यक्ष मेला विकास प्राधिकरण) रमेश तेलंग, वरिष्ठ बाल साहित्यिकार, मुंबई एवं मुकेश भारद्वाज (सम्पादक, जनसत्ता, दिल्ली) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में दुलाराम सहारण (राजस्थान साहित्य अकादमी अध्यक्ष) फारूक अफरीदी (मुख्यमंत्री के प्रमुख सलाहकार), राजेन्द्र मोहन शर्मा सचिव (जवाहर–लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी) एवं अकादमी की सरस्वती सभा के सदस्य भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अकादमी द्वारा विभिन्न लेखकों की प्रकाशित बाल साहित्य की कुल 60 पुस्तकों का विमोचन किया गया। ज्ञात रहे शिल्पी कुमारी बेटा पढ़ाओ–संस्कार सिखाओ अभियान की उदयपुर प्रभारी हैं।

नरेंद्र मोदी और गौतम अडानी के बीच क्या रिश्ता है और कब से है –सरिता पटेल

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : राहुल गांधी की सदस्यता खत्म किए जाने और उनके ऊपर मुकदमा दर्ज कराए जाने के मामले को लेकर कांग्रेसी मुखर हो गए है पार्टी द्वारा लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किए जा रहे हैं साथ ही देश की जनता के बीच राहुल गांधी और गांधी परिवार बराबर यह सवाल उठा रहा है यह कहां तक जायज है इसी कड़ी में शुक्रवार को जौनपुर पहुँची प्रदेश कांग्रेस की महासचिव सुश्री सरिता पटेल ने पत्रकारो से बात करते हुए उन्होंने कहा कि क्या लोकतंत्र में एक उद्योगपति से सवाल पूछना भारत पर हमला है ? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने जो सवाल पूछे थे आपके माध्यम से वही सवाल में सरकार से पूछना चाहती हूं की अडानी की कंपनियों में जिन शैल कंपनियों द्वारा 20,000 करोड़ का निवेश किया गया वह कंपनियां किसकी है जब कंपनियों के शेयर लगातार 60 पर्सेंट गिर चुके थे तब हमारे एसबीआई एलआईसी का पैसा अडानी की कंपनियों में लगाया जा रहा था यह बड़े सवाल हैं जिनका जवाब भाजपा सरकार को देना होगा हमारा देश प्रजातांत्रिक देश है हमने आजादी के लिए लंबी लड़ाई लड़ी है और कुर्बानियां दी है अगर लोकतंत्र

पर खतरा होगा तो हम खामोश बैठने वाले नहीं हैं! उन्होंने कहा कि जब हम सवाल अडानी से करते हैं भाजपा परेशान क्यों हो जाती है भाजपा का अडानी से क्या रिश्ता है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हम इस मामले को ऊपर कोर्ट में ले जाएंगे लेकिन अभी गुजरात कोर्ट द्वारा जो आदेश दिया गया है उसका अध्ययन शीर्ष नेतृत्व द्वारा किया जा रहा है आम जनता से जानना चाहते हैं कि लोकतंत्र में ये क्या किया जा रहा है हम इसके खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील करेंगे लेकिन इसके लिए अभी समय है जैसा शीर्ष नेतृत्व का आदेश होगा वैसा काम किया जाएगा। वार्ता में प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष डॉ राकेश उपाध्याय, प्रदेश महासचिव किसान कांग्रेश राकेश सिंह डब्बू, जिला महासचिव अजय सोनकर, NSUI जिला अध्यक्ष शशांक राय आदि उपस्थित रहे।

अध्यापक इन्द्र बहादुर सिंह अधिवर्षता आयु पूर्ण कर हुए सेवानिवृत्त

जौनपुर डीकेयू ब्यूरो : दिनांक 31मार्च 2023 को श्री केशव नाथ जूनियर हाईस्कूल हौरैया मड़ियाहूं जौनपुर के वरिष्ठ अध्यापक श्री इन्द्र बहादुर सिंह जी अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए।इस अवसर पर विद्यालय परिवार

की ओर से उनका सेवानैवृत्तिक सम्मान किया गया। समारोह में उपस्थित विद्यालय के प्राचार्य श्री विनय कुमार सिंह एवं अन्य अध्यापकों ने विद्यालय के प्रति उनके योगदान को याद किया और अपेक्षा की कि, भविष्य में भी उनका सहयोग मिलता रहेगा।श्री इन्द्र बहादुर सिंह को उनके सेवानैवृत्तिक सम्मान समारोह में उपस्थित ''देश की उपासना'' दैनिक के सम्पादक मंडल के सदस्य श्री शिवशंकर द्विवेदी, संयुक्त सचिव सेवानिवृत्त उत्तर प्रदेश शासन ने अपनी कृति ''अ मोक्ष एक प्रस्तुति'' की एक प्रति श्री इन्द्र बहादुर सिंह को भेंट कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए अपेक्षा किया है कि श्री सिंह साहब शेष जीवन समाजसेवा के लिए समर्पित करेंगे। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि श्री इन्द्र बहादुर सिंह जी श्री द्विवेदी जी के साथ उक्त विद्यालय में सहपाठी के रूप में भी रहे हैं।

आयकर निरीक्षक फर्जी भर्ती में गिरफ्तार किए गए प्रशासनिक अधिकारी को भेजा गया जेल

लखनऊ ब्यूरो : आयकर निरीक्षक के फर्जी भर्ती मामले में विभाग में तैनात प्रशासनिक अधिकारी एसके श्रीवास्तव को हजरतगंज पुलिस ने उसके जानकीपुरम सेक्टर–एच आवास से गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान उसने टीम को अर्दब में लेने की कोशिश की, लेकिन गैर जमानती वारंट देख होश उड़ गए। देर शाम को आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया। आरोपी के खिलाफ सीबीआई भी जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, फर्जीवाड़े का खेल इसी प्रशासनिक अधिकारी की शह पर आयकर मुख्यालय के कमरा नंबर 329 से खेला जाता था। मास्टरमाइंड प्रियंका मिश्रा इसकी काफी करीबी बताई जाती है। इसकी पुष्टि दो महीने की कॉल डिटेल निकालने पर हुई। सामने आया कि एसके श्रीवास्तव व प्रियंका के बीच 50 बार बात हुई। यह बातचीत दो से 12 मिनट तक की थी। दोनों के बीच बैंक खातों में लेनदेन की भी पुष्टि हुई है। एसीपी हजरतगंज अरविंद वर्मा के मुताबिक, आयकर विभाग में निरीक्षक पद पर फर्जी भर्ती का खुलासा 22 नवंबर को हुआ था। कई बेरोजगारों को नियुक्ति पत्र देने के लिए प्रत्यक्ष कर भवन बुलाया गया था। मौके से प्रियंका मिश्रा को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने शक्ति भवन में तैनात संविदा बिजलीकर्मी सूरज मिश्रा को गिरफ्तार किया था। फिर लक्ष्मी नारायण और गाजियाबाद के विजयनगर निवासी सुरेंद्र कुमार को दबोचा था। सुरेंद्र नौकरी के इच्छुक युवकों को तलाशता था और प्रियंका से मुलाकात कराता था, जबकि सूरज व लक्ष्मी नारायण जाली नियुक्ति पत्र बनाकर देते थे। विवेचना के दौरान एसके श्रीवास्तव

की कुंडली खंगाली तो पिकप भवन की पांचवीं मंजिल पर स्थित आयकर आयुक्त कार्यालय में तैनात प्रशासनिक अधिकारी एसके श्रीवास्तव की भूमिका पाई गई। आरोपी के खिलाफ काफी सबूत जुटाने के बाद कार्रवाई की। प्रशासनिक अधिकारी ने ही प्रियंका को दिलाया था मुख्यालय में प्रवेश पुलिस की जांच में सामने आया है कि पिकप भवन में तैनात प्रशासनिक अधिकारी ने ही प्रियंका को मुख्यालय में प्रवेश दिलाया था। मुख्य आरोपी प्रियंका मिश्रा ने आयकर निरीक्षक बनाने के नाम पर 100–125 लोगों को शिकार बना चुकी है। यह बात उसने कुबूली भी थी। उसके गिरोह का नेटवर्क लखनऊ से दिल्ली तक फैला है।

प्रतिभाओं को जागरूक कराने में अभिभावकों की भूमिका महत्वपूर्ण

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : बच्चों को स्कूलों में प्रवेश दिला देने से बच्चों का विकास नहीं होगा उनके अन्दर छिपी प्रतिभा को निखारने में अभिभावकों को आगे आना पड़ेगा। स्कूल के शिक्षक अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हैं उससे ज्यादा जिम्मेदारी माता पिता की बनती है। उक्त बातें उरुवा स्थित श्री सुधाकर त्रिपाठी पब्लिक स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह के बतौर मुख्य अतिथि राकेश चन्द्र त्रिपाठी प्रवक्ता ने प्रकट करते हुए कही। श्री त्रिपाठी ने कहा कि बदलते परिवेश व आधुनिकता के दौर में बच्चों को संस्कारित बनाने में शिक्षकों के साथ अभिभावकों को आगे आना पड़ेगा।समारोह में स्कूल के 34 छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र ,मेडल से सम्मानित किया गया।जिसमें रुद्र प्रताप यादव,आशी यादव,अंकिता गुप्ता,अमित कुमार,मानसी पाठक,आयुष चौहान,अर्णव पंडित,वर्षा जायसवाल,आरुषि चौहान,निर्जला गौड़, अमुल्या पाठक,को प्रथम पुरस्कार,तथा स्कूल टाप में आरुषि चौहान,निर्जला

गौड़,सत्येंद्र कुमार को पुरस्कृत किया गया।अध्यक्षता प्रिंसिपल आर एन ने व संचालन सुशील पाठक , भूपेन्द्र त्रिपाठी ने किया।इस अवसर पर श्वेता त्रिपाठी , किरन गुप्ता,प्रीति त्रिपाठी,स्मिता त्रिपाठी,अंजना यादव,शिखा मिश्रा,राजकुमार यादव,रामनिवास सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

जल्द ही प्रकाशित होगी सनातन विज्ञान और हम नामक पुस्तक

प्रतापगढ़ (विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी) : कभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए गणित,सांख्यिकी व समाजकार्य जैसी उत्कृष्ट पुस्तक का लेखन व शिक्षण कार्य कर चुके शांडिल्य इं.दुर्गेश त्रिपाठी जी की नवीन पुस्तक 'सनातन,विज्ञान और हम' का प्रकाशन जल्द ही होगा।इं.दुर्गेश इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में स्नातक व सोशल वर्क में परास्नातक हैं,और वर्तमान में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग,प्रयागराज में बतौर समीक्षा अधिकारी पद पर कार्यरत हैं।उन्होंने इस पुस्तक में भारतीय सनातन परम्परा को आधुनिक विज्ञान से जोड़ा है।भारतीय आध्यात्मिक–सामाजिक नवचेतना को समर्पित उनके इस नवीन पुस्तक के लिए धर्माचार्यों,संतों,शासन–प्रशासन से जुड़े लोगों ने शुभकामना प्रेषित किया है।इं.दुर्गेश प्रतापगढ़ जनपद के मूल निवासी हैं व सीता राम इं.कॉ.ऐलाही प्रतापगढ़ के प्राचार्य श्री श्याम शंकर त्रिपाठी के सुपुत्र हैं।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

सत्य का सर्वश्रेष्ठ अभिनंदन यही है कि हम उसे आचरण में लाएं।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

मानहानि मामलाः 'सहानुभूति' को सियासी जीत में बदल पाएंगे राहुल गांधी?

जिस तरह से मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ सूरत की अदालत का फैसला आया, जिस तरह फैसला आते ही ताबड़तोड़ तरीके से राहुल की लोकसभा सदस्यता खत्म की गई और जिस तरह भाजपा ने राहुल गांधी पर हमले तेज कर दिए हैं, उससे इतना तो साफ है कि मोदी सरकार और भाजपा राहुल गांधी को अब संभावित खतरा मानने लगी है। वरना कुछ समय पहले तक बीजेपी राहुल को 'पप्पू' मानकर केवल उनका मजाक उड़ाने तक सीमित थी। उधर राहुल और कांग्रेस इस पूरे घटनाक्रम को 'राजनीतिक बदले' का रंग देकर उनके संसद सदस्यता गंवाने को 'शहादत' का रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। वे निचली अदालत के फैसले के खिलाफ ऊपरी कोर्ट में जाने की जल्दबाजी भी नहीं दिखा रहे हैं। कांग्रेसियों का मानना है कि इन तमाम घटनाओं से राहुल के प्रति जन सहानुभूति बढ़ेगी और इसका लाभ कांग्रेस और परोक्षतः विपक्ष को मिलेगा। इसका सीधा मतलब यही है कि अगला लोकसभा चुनाव फिर से मोदी बनाम राहुल में तब्दील हो सकता है, हालांकि ऐसा माहौल 2014 में भी बनाया गया था, जिसमें राहुल बुरी तरह नाकाम रहे थे। वही माहौल फिर से बने, इसकी पहली कसौटी यह है कि राहुल अपने काम, बयानों और संगठन क्षमता को लेकर कितने गंभीर हैं। जनता नेता को केवल सदस्यता के आधार पर ही नहीं तौलती है। वह जोखिम उठाने का साहस, कर्मनिष्ठा, संकल्पशक्ति और निर्णय क्षमता के कारकों पर भी नेता को देखती और परखती है। इन पैमानों पर राहुल अभी भी बहुत संजीदा नजर नहीं आते। जबकि उनके पास (अगले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर) समय ज्यादा नहीं बचा है। 'भारत जोड़ो यात्रा' से राहुल को लाभ इसमें दो राय नहीं कि 'भारत जोड़ो यात्रा' ने राहुल की छवि को बेहतर बनाया है। यही कारण है कि राहुल की यात्रा को निर्द्वद्व सम्पन्न होने देने वाली मोदी सरकार और भाजपा इस यात्रा के दूरगामी परिणामों का सूक्ष्मता से विश्लेषण कर अपनी अगली रणनीति पर काम कर रही है। चार महीने चली यात्रा के दौरान राहुल गांधी अमूमन विवादित बयानों से बचते रहे। एक दो बार मामला गड़बड़ाया भी तो वरिष्ठ सहयोगियों ने किसी तरह उसे संभाल लिया। उसके बाद ब्रिटेन की यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने भारतीय लोकतंत्र और मोदी सरकार पर जो टिप्पणियां की, संसद में अडानी को लेकर मोदी पर जो प्रहार किए, उससे सरकार, भाजपा और संघ के कान खड़े हो गए हैं। इन बयानों के बाद राहुल की नीयत पर सवाल उठाए जाने लगे। विदेश में भारत के आंतरिक मसलों पर राहुल की प्रतिक्रिया को उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता के रूप में देखा गया। बहुतों का मानना है कि घर के अंदर लड़ाई लड़ने वाले राहुल को ऐसे मामलों में संयत होकर अपनी बात रखनी थी। राहुल के बयानों को मुद्दा बनाते हुए भाजपा ने उनसे संसद में माफी मांगने को लेकर संसद नहीं चलने दी। ऐसा शायद पहली बार हुआ कि सत्ता पक्ष ही, संसद नहीं चलने दे रहा था। भाजपा, राहुल को संसद में बोलने नहीं दे रही थी। दूसरी तरफ राहुल ने भी अपने बयानों के लिए माफी मांगने से इंकार कर दिया। हालांकि वो स्पष्टीकरण देने के लिए तैयार थे। लेकिन इस स्पष्टीकरण में भी वो ऐसी कुछ बातें कर सकते थे, जो मोदी सरकार को असहज कर सकती थीं। दूरगामी परिणाम सोचने में राहुल, मोदी से 19 राहुल गांधी की सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि बोलते समय वो राजनीतिक लाभ–हानि और उसके समग्र परिणामों के बारे में ज्यादा नहीं सोचते। उन्हें यह अहसास नहीं रहता कि कब और कैसे बोलने का क्या असर होगा? भाषा की समस्या तो उनके साथ है ही। वो अंग्रेजी में सोचकर हिंदी में बोलते हैं, जिससे अक्सर अर्थ का अनर्थ होता है। हिंदी पर अधिकार न होना राहुल गांधी की ऐसी मूलभूत कमजोरी है, जिसकी वजह से उन्हें आगे भी नुकसान उठाना पड़ेगा। उनके विपरीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजराती भाषी होने के बाद भी हिंदी के मुहावरे को इतनी गहराई से आत्मसात कर लिया है कि उनकी बात देश के 70 फीसदी लोगों को आसानी से समझ आ जाती है। राहुल सच में विपक्ष का सक्षम चेहरा बनना चाहते हैं तो उन्हें इस बात को भी समझना होगा कि राजनीति, राजनीतिक तौर तरीके से ही हो सकती है, होनी चाहिए। क्योंकि राजनीति का अंतिम सत्य सत्ता की प्राप्ति है न कि सत्यान्वेषण अथवा मोक्ष प्राप्ति। सियासत अमूमन अर्द्धसत्य पर ज्यादा चलती है। जिसमें विचार, घटना और परसेप्शन की अपने अनुकूल व्याख्या की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है। यह एक चतुराई भरा, शातिराना खेल है जो भद्रता का आवरण ओढ़ कर भी खेला जाता है, खेला जा सकता है। राजनीति में आप जो कहते हैं, जो कटाक्ष या व्याख्या करते हैं, वह तोता रटंत नहीं है, उसकी अपनी दृष्टि और सोच है, इस बात का अहसास नेता को बार–बार दिलाना पड़ता है। कई लोगों का मानना है कि 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद राहुल गांधी की छवि उदारवादियों की नजर में भी सुधरी है, लेकिन यह बदलाव उन्हें देश के शीर्ष नेता के रूप में स्थापित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। राहुल अभी भी वो गलतियां करते जा रहे हैं, जो पहले भी कर चुके हैं। गलती सभी से होती है, लेकिन समझदार इंसान और राजनेता गलतियों को दोहराने से यथा संभव बचता है। भले ही वो नई गलती करे। यह भी विडंबना है कि यूपीए 2 के समय मनमोहन सिंह सरकार द्वारा लाए गए उस अध्यादेश को राहुल सिंह ने सरेआम फाड़ दिया था और जिसके कानून बनने पर वो खुद आज मानहानि की सजा से बच सकते थे। लेकिन तब राहुल ने उस अध्यादेश को भ्रष्टाचारियों को बचाने वाला बताकर उसे फाड़ा था। उनके इस कृत्य से कांग्रेस को कोई फायदा नहीं हुआ, उलटे खुद मनमोहन सरकार ही भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में घिर गई तथा अपनी ही सरकार के कामों के प्रति राहुल की अगंभीरता की गलत छवि बनी। इससे केवल इतना संदेश गया कि राहुल एक जिद्दी नेता हैं और उन्हें जब जो ठीक लगता है कह और कर बैठते हैं। अब भी इस मानसिकता में कोई खास फर्क आया हो, ऐसा नहीं लगता। बीते आठ साल में उन्हें तीन बार अपने बयानों के लिए या तो माफी मांगनी पड़ी या फिर उसके लिए सफाइयां देनी पड़ी। सावरकर पर बयानों का असर हिंदुत्ववादी वी.डी.सावरकर को लेकर राहुल के बयान ने विपक्षी एकता को दरका दिया। महा विकास आघाडी में शामिल शिवसेना ने साफ कह दिया कि सावरकर उनके आराध्य हैं तो राष्ट्रवादी कांग्रेस ने कहा कि सावरकर के खिलाफ वो कुछ नहीं सुनेंगे। बाद में तय हुआ कि राहुल सावरकर पर मौन ही रहेंगे, लेकिन ऐसा कब तक रहेगा, यह स्पष्ट नहीं है। अगर सावरकर का ब्रिटिश सरकार से माफी मांगकर छूटना ही उनकी आलोचना का एक मात्र आधार है तो कहा जाता है कि उन्होंने ऐसा पांच बार किया। लेकिन राहुल तो तीन अलग–अलग मामलों माफी पहले ही मांग चुके हैं। कहीं ऐसा न हो कि वो इस मामले में सावरकर से आगे निकल जाएं। इन सबके बाद भी जब उन्होंने कहा कि 'मैं सावरकर नहीं, जो माफी नहीं मांगूंगा' तो सवाल उठा कि राहुल खुद की तुलना सावरकर से किस आधार पर कर रहे हैं। उन्होंने 52 साल में ऐसा क्या किया है, जो देश उन्हें अपना नेता माने। सावरकर तो 14 साल अंडमान की सेल्युलर जेल में रहे, लेकिन राहुल के पास संघर्ष का ऐसा जरा भी अनुभव नहीं है। जहां तक कांग्रेस की बात है तो उसने सावरकर के मामले में महाराष्ट्र की जनभावना का हमेशा ध्यान रखा। राहुल की दादी इंदिरा गांदी ने 1970 में सावरकर पर डाक टिकट भी जारी किया था। इसका कारण यह है कि भले ही सावरकर हिंदुत्व की विचारधारा के प्रणेता हों, भले ही वो माफीनामा देकर काले पानी की सजा से छूटे हों, लेकिन महाराष्ट्र के अधिसंख्यक लोग उनकी देशभक्ति और राष्ट्रनिष्ठा को असंदिग्ध मानते हैं। इस मायने में वो एक बड़े आइकन हैं। राहुल इस बात को जाने समझे बगैर टिप्पणियां करेंगे तो विपक्षी एकता का महल कभी ठीक से खड़ा नहीं होगा। दूसरे, कांग्रेस में संगठनात्मक सुधार करने, उसे जुझारू बनाने और सत्ता की ललक पैदा करने के लिए जो करना जरूरी है, उस मोर्चे पर राहुल अभी भी कुछ ठोस कर रहे हैं, ऐसा प्रतीत नहीं होता। खुद मैदान में खेलना और बाहर बैठकर कोचिंग करने में जमीन आसमान का फर्क है। बावजूद इसके एक बात राहुल के पक्ष में जाती दिखती है और वो ये कि वो मोदी सरकार, भाजपा और संघ पर प्रहार करने की हिम्मत दिखा रहे हैं। खुद को प्रताड़ित के रूप में पेश कर रहे हैं, जिससे उन्हें लोगों की सहानुभूति मिल सकती है। हालांकि इस खतरे से भाजपा अनजान होगी, यह मानना गलत होगा। लेकिन 'विक्टिमाइजेशन' को अपने और अपने दल के राजनीतिक पक्ष में मोड़ने की कला भी राजनेता में होनी चाहिए। यानी सहानुभूति वोटों में भी तब्दील हो, इसकी कूवत चाहिए। उदाहरण के लिए राहुल की दादी (और शायद अब तक की सबसे सफल तथा साहसी प्रधानमंत्री) इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी के बाद उन्हें राजनीतिक रूप से खत्म करने की जनता सरकार की चाल को इसी विक्टिम कार्ड से नाकाम कर दिया था और वो 1980 में फिर नई ताकत के साथ सत्ता कर काबिज हो गईं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तो उन पर होने वाले हर निजी हमले को अपनी ताकत बनाने की कला में माहिर हैं। क्योंकि राहुल खुद को कितना ही मूल्यनिष्ठ, ईमानदार बताने की कोशिश करें, उनकी इस ताकत का वो कांग्रेस कोई राजनीतिक फायदा नहीं दिला पाए तो उसका कोई खास मतलब नहीं है। ज्यादा से ज्यादा वो उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि हो सकती है। राजनीतिक दृष्टि से कोई गुणात्मक बदलाव राहुल में हुआ है, ऐसा अभी तो नहीं लगता। इसके बगैर अगले चुनाव में मोदी और भाजपा को हराना बहुत ही मुश्किल है।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

भए प्रगट कृपाला दीन दयाला स्तुति के साथ मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम का हुआ प्राकट्य

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल के श्री राम जानकी हनुमत धाम में ठीक 12:00 बजे ढोल नगाड़े या घंटा घड़ियाल के साथ मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का प्राकट्य हुआ। दीन दयाला कौशल्या हितकारी अवध में जन्म लिया रघुराया बाजे बधाइयां प्रदर्शक श्रद्धालु झूम उठे श्री राम जन्म के बधाई गीतों से पूरा माहौल राम में हो गया पूरा वातावरण प्रभु श्रीराम के जयकारों से गुंजायमान हो गया मंदिर में 51 दीपों से आरती उतारी गई उसके बाद 56 दिनों का भोग लगाया गया प्रसिद्ध भजन गायक सुरेश सिंह अमन संगीत टीम ने माहौल को प्रभु श्रीराम में कर दिया इस मौके पर विद्यालय के बच्चों के द्वारा भक्त गीत वाला भक्त नृत्य प्रस्तुत किए गए आरती में प्रमुख रूप से सदर एसडीएम स्वाति शुक्ला के अलावा ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह, जिला महासचिव रजनीश सिंह ,जिला मीडिया प्रभारी नवल किशोर, लक्ष्मी ज्वेलर्स के वेद प्रकाश गुप्ता ,बड़कौनू ज्वेलर्स उमाकांत गुप्ता, शिव कुमार गुप्ता, मुकुल सिंह, धर्मपत्नी भूमिका सिंह, मुकेश सिंह ,दीपिका सिंह, लक्ष्मी देवी, बीना गुप्ता ,मनसा बाजपेई, अर्पिता सिंह ,विनीता शुक्ला, सोनम शुक्ला, आरती वर्मा, मनसा बाजपेई, पूनम सिंह, पूजा सिंह ,शशिबाला, आरती मिश्रा,

रोली प्रजापति ,प्रिया सिंह नजरीन बानो, देवेश प्रसाद सिंह राम प्रकाश पांडे, अशोक कुमार गुप्ता ,उदय शुक्ला भूपेश सिंह, बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। भक्ति में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले बच्चों को एसडीएम सदर श्रीमती शुक्ला ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया इसके अलावा श्री राम दरबार की बनी झांकी के बच्चों को श्री राम नामी पटका पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देश पर सदर तहसील में विभिन्न मंदिरों पर इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इस प्रकार के आयोजनों से समाज में भगवान के प्रति श्रद्धा ,आस्था और अटूट होगी।

श्रीराम ने अपने जीवन में मर्यादा एवं अनुशासन को सर्वप्रथम स्थान दिया –मनीष सिंह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। श्री रामनवमी के शुभ अवसर पर आज एस के डी अकादमी के प्रांगण में महा भंडारा हवन पूजा का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। एस.के. डी. एकेडमी के वृन्दावन शाखा में रामनवमी के पर्व को धूमधाम से मनाया गया, जिसमें एकेडमी के संस्थापक एस0के0डी0 सिंह एवं निदेशक मनीष सिंह द्वारा पारम्परिक रूप से पूजा अर्चना एवं हवन किया गया एवं उपस्थित सभी स्टाफ ने पूजन में श्रद्धापूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर मंत्रोच्चारण शंख ध्वनि व घण्टों के साथ सम्पूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया। साथ में महा भंडारे का भी आयोजन किया गया । इस अवसर पर श्री राम के मर्यादा पुरूषोत्तम एवं विभिन्न रूपों का महत्व बताया गया तथा त्यौहार को मनाने का उद्देश्य समझाया गया। एस.के. डी. एकेडमी के निदेशक मनीष सिंह ने रामनवमी पर समस्त स्टाफ को बधाई दिया एवं इसका महत्व बताते हुए कहा कि श्रीराम ने अपने जीवन में मर्यादा एवं अनुशासन को सर्वप्रथम स्थान दिया एवं वचनबद्धता के लिए जीवन

के चौदह वर्ष वानप्रस्थ आश्रम को दिए अर्थात वानप्रस्थाश्रम का चयन किया एवं अनेक कठिनाईया उठाते हुए भी अपने अनुशासन को नहीं भूले। इस अवसर पर सभी उपस्थित स्टाफ एवं संस्था के ड्राइवर कंडक्टर माली व अन्य कर्मचारी गणों ने मिलकर श्रद्धा पूर्वक सुन्दरकाण्ड का पाठ किया स कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

गंगा यात्रा में विभिन्न सामाजिक संगठनों की रही सहभागिता

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। मुख्यमंत्री के निर्देशन में ''श्री रामनवमी के शुभ अवसर पर दिनांक 30.03.2023 को उत्तर प्रदेश की जीवन रेखा माँ गंगा के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रदेश के विभिन्न जनपदों में गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण सम्बन्धी तथ्यों के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश पी०ए०सी० द्वारा ''गंगा यात्रा 2023'' का आहवान किया गया। यह गंगा यात्रा 08 स्थानों से एक ही समय प्रातः 09.00 बजे से प्रारम्भ हुई। जनपद बिजनौर, हापुड़, बुलन्दशहर, बदायूँ, कानपुर, फतेहपुर, प्रयागराज एवं वाराणसी के विभिन्न घाटा से प्रारम्भ इस यात्रा में गुब्बारों, बैनर, फ्लैक्स, झण्डों आदि से सुसज्जित कुल 71 नावों पर 456 पीएसी के अधिकारियों / कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। गंगा यात्रा प्रारम्भ करने से पूर्व श्रमदान सहित अन्य विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिसमें जनप्रतिनिधियों, स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों, पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारीगण, स्कूली बच्चों एवं हजारों की संख्या में आम जनमानस की सहभागिता रही। इस अवसर पर पीएसी बैण्ड ने अपनी

मनमोहक धुन से लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। साथ ही गंगा घाटों पर जागरूकता के दृष्टिकोण से प्ररणादायक लघु फिल्मों का प्रदर्शन तथा स्कूली बच्चों हेतु पेन्टिंग एवं वाद–विवाद प्रतियोगिता आदि भी आयोजित करायी गयी । इस भव्य गंगा यात्रा में विभिन्न सामाजिक संगठनों की सहभागिता रही, जिसमें नमामि गंगे फाउण्डेशन एवं नमामि गंगे सेवा समिति प्रमुख रहीं ।

राम नवमी के अवसर पर इंदिरा नगर से निकली मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की भव्य शोभायात्रा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। रामनवमी के अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भांति श्री राम जन्मोत्सव समिति के तत्वावधान में इंदिरा नगर नगर ए ब्लॉक, निकट कन्वेंशन सेंटर से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की भव्य शोभायात्रा निकली श्री राम जन्मोत्सव समिति के संरक्षक एवं उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता एवं श्री राम जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष तथा आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री शशिकांत शर्मा, समिति के महामंत्री संजीव गर्ग ने जानकारी देते हुए बताया। शोभा यात्रा लेखराज मार्केट, फैजाबाद रोड, मारुति पुरम ,भूतनाथ मार्केट, शालीमार चौराहा, मीना मार्केट होते हुए अपने उद्गम स्थल पर संपन्न हुई। श्री राम जन्मोत्सव समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कवीन्द्र मल्होत्रा एवं दीपक श्रीखंडे ने बताया इस अवसर पर भंडारे का भी आयोजन हुआ तथा जगह–जगह पर व्यापारियों, आदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारियों एवं नागरिकों तथा भक्तों द्वारा शोभायात्रा का स्वागत किया गया तथा शोभायात्रा में विभिन्न देवी–देवताओं की सजीव झांकी भी शामिल हुई तथा कई बैंड भी शोभायात्रा में शामिल हुए तथा प्रयागराज के भक्त जितेंद्र बजरंगी हनुमान वेश धारण कर राम धुन पर नृत्य करते पूरे मार्ग में शोभायात्रा के आकर्षण का केंद्र बिंदु बने रहे तथा श्री राम चंद जी शोभायात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं बच्चे व बुजुर्ग, पुरुष शामिल हुए तथा रास्ते भर राम धुन पर

तालियां बजाकर झूमते हुए भक्तिमय वातावरण में नृत्य करते रहे। तथा हाथी ,घोड़े ,ऊंट भी शोभा यात्रा में शामिल हुए समिति के पदाधिकारियों ने बताया पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉक्टर दिनेश शर्मा, पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता सहित कई सभासद एवं भक्त गणों ने भगवान की पूजा अर्चना की तथा आरती उतारी तथा शोभायात्रा में शामिल हुए।

भारतीय जनता पार्टी प्रत्येक बूथ पर अपनी सशक्त उपस्थिति रखती है –अशोक सिंह

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : भारतीय जनता पार्टी वर्तमान में बूथ सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत बूथ समितियों एवं पन्ना प्रमुख की नियुक्ति कर चुकी है अब 6 अप्रैल पार्टी के स्थापना दिवस तक इन बूथ समितियों एवं पन्ना प्रमुखों का सत्यापन अभियान चलाएगी इस संबंध में हरदोई विधान सभा बूथ सत्यापन कार्यशाला का आयोजन जिला कार्यालय पर संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक सिंह तथा विधानसभा सत्यापन प्रमुख संदीप सिंह रहे। अशोक सिंह ने कहा भारतीय जनता पार्टी में संगठन की प्राथमिक इकाई बूथ समिति है इस बूथ समिति के अंतर्गत ही पार्टी पन्ना प्रमुख नियुक्त करती है भारतीय जनता पार्टी क्योंकि प्रत्येक बूथ पर अपनी सशक्त उपस्थिति रखती है इसीलिए और लगातार चुनाव दर चुनाव सफलता प्राप्त करती है। उन्होंने कहा पन्ना प्रमुख एवं बूथ समितियों के सत्यापन के लिए प्रत्येक शक्ति केंद्र पर सत्यापन अधिकारी नियुक्त किए हैं नियुक्त अधिकारियों को उक्त समितियों का भौतिक सत्यापन बूथ पर प्रवास कर ही करना होगा और भारतीय जनता पार्टी का स्लोगन ''बूथ जीता तो चुनाव जीता''

चरितार्थ करना है। कार्यशाला का संचालन जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह ने किया प्रमुख रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष विद्याराम वर्मा जिला महामंत्री अजीत सिंह बब्बन अनुराग मिश्रा जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक जिला मंत्री नीतू चंद्रा प्रचार मंत्री संदीप अवस्थी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल निवर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष सुख सागर मिश्र विपिन सिंह गौर अविनाश मिश्रा रीना गुप्ता विधानसभा के चारों मंडल अध्यक्ष शक्ति केंद्र संयोजक एवं शक्ति केंद्रों के सत्यापन अधिकारी मौजूद रहे।

स्वयं के विकास एवं देश की उन्नति के लिए सभी को शिक्षित होना आवश्यक है

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। रजत ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, लखनऊ के रजत डिग्री कॉलेज, रजत वोमेंस कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेण्ट एवं रजत कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेण्ट में राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर (27 मार्च से 02 अप्रैल) के अंतर्गत पाँचवें दिन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर का पंचम दिन साक्षरता पर आधारित था। उपरोक्त विषय पर स्वयंसेवक एवं सेविकाओं ने गांव के बच्चों से वार्तालाप की।उनसे उनकी पढ़ाई लिखाई के विषय में जानकारी ली तथा उन्हें शिक्षा के महत्व के विषय में सभी को जागरूक किया ।उन्होंने बताया कि कई समस्याओं की जड़ अशिक्षा है। शिक्षा हमारे जीवन के स्तर को कैसे विकसित करती है यह भी

समझाया। इसलिए स्वयं के विकास एवं देश की उन्नति के लिए सभी को शिक्षित होना आवश्यक है ।तत्पश्चात स्वयंसेवक और सेविकाओं ने गांव के बच्चों को पठन–पाठन की सामग्री वितरित की जिसको प्राप्त कर बच्चे बहुत प्रसन्न हुए।

लेफ्टिनेंट कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर के आवास पर हुआ अखंड रामायण पाठ एवं कन्या भोज

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कानपुर प्रांत के संगठन मंत्री लेफ्टिनेंट कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर के लखनऊ सैनिक नगर स्थित आवास पर श्री रामचरितमानस अखंड पाठ एवं कन्या भोज तथा भंडारे का आयोजन किया गया। परिवार, रिश्तेदार, मित्रगण, क्षेत्रवासी, कॉलोनी वासी शामिल रहे। धार्मिक अनुष्ठान में लेफ्टिनेंट कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर, धर्मपत्नी श्रीमती मनोज देवी, राजीव सिंह तोमर,

धर्मपत्नी श्रीमती सोनल सिंह तोमर एवं परिवार के सभी सदस्यों ने साधु संतों को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

पुरुषों की अपेक्षा महिलायें होती है क्रोनिक पेन से अधिक ग्रसित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। आज की भागती दौड़ती जिन्दगी तथा बदलती जीवन शैली में ढेर सारे लोग कमर दर्द या पीठ दर्द की समस्या से परेशान हैं। कमर दर्द दुनिया में क्रोनिक पेन' का सबसे मुख्य कारण हैं। तीन महीने से अधिक समय का दर्द क्रोनिक पेन होता हैं। भारत में लगभग 60 प्रतिशत लोग अपने जीवन में कभी न कभी पीठ के निचले हिस्से में दर्द से पीड़ित होते हैं, जिसमें से 27 प्रतिशत क्रोनिक पेन से पीड़ित होते हैं करोड़ो भारतीय क्रोनिक पेन के कारण अपना दैनिक कार्य भी नहीं कर पाते हैं। ऐसा देखा गया है कि महिलायें पुरुषों की अपेक्षा क्रोनिक पेन से अधिक ग्रसित हैं। कमर दर्द के मुख्य कारण जैसे– साइटिका, कमर के जोड़ गठिया, डिस्क, कैंसर, रीढ़ की हड्डी का फ्रैक्चर (आस्टियोपेरोसिस फ्रैक्चर) होते है। 'पेन मेडिसिन एक नई स्पेशियालिटी है, जिसमें हम मिनिमली इनवेसिव पेन एण्ड स्पाइन इंटरवेंशन (MIPSI) द्वारा ऐसे कई दर्द रोगियों का बिना बड़े ऑपरेशन के इलाज कर सकते हैं। क्रोनिक पेन के सारे मरीज डॉ०रा0म0लो० आ० सं०. लखनऊ में पेन ओ०पी०डी० नम्बर दो के रूम नम्बर 35 में डा० अनुराग अग्रवाल, डा० शिवानी रस्तोगी और उनकी टीम देखती है। यह CME क्रोनिक बैक पेन व इसके मिनिमली इनवेसिव उपचार (MIPSI) के लिए जागरूकता बढ़ाने के लिए हैं। इस CME में KGMU लखनऊ, SGPGI लखनऊ, बम्बई से विशेषज्ञ चिकित्सक आ रहे है। तथा सभी विभाग के विशेषज्ञ भाग ले रहे है। ब्डम् की मुख्य अतिथि संस्थान की निदेशक प्रो० सोनिया नित्यानंद, डॉ०रा0म0लो०आ०सं०. लखनऊ) तथा अन्य गणमान्य अतिथिगण प्रो0 अनिल अग्रवाल, अपोलो लखनऊ, प्रो० कर्नल आर0 के0 त्रिपाठी (से०नि०) प्रो० नुजहत हुसैन (डीन, डॉ०रा0म0लो०आ०सं०, लखनऊ.) प्रो० राजन भटनागर, (सी०एम०एस०. डॉ०रा0म0लो० आ०सं०, लखनऊ), डा० सिद्धार्थ वर्मा स्पाइन फिजिशियन, डी वाई पाटिल यूनिवर्सिटी मुंबई एवं चिकित्सा संकाय अध्यक्ष व सदस्य शामिल होंगें। इसकी अध्यक्षता प्रो० दीपक मालविय विभागाध्यक्ष, एनेस्थीसियोलाजी व पूर्व निदेशक डॉ०रा0म0लो०आ०सं०, लखनऊ, द्वारा की जायेगी।

कन्याओं को स्कूल बैग पेंसिल बॉक्स टिफिन और प्रसाद देकर माँ काली की हुई पूजा आरती

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। आज नवरात्रि के पावन अवसर पर लखनऊ व्यापार मण्डल द्वारा रुबड़ीकालीजीमंदिरऋचौक में 51 कन्याओं का पूजन एवं प्रसाद वितरण समारोह करके माँ का आशीर्वाद प्राप्त किया। कन्याओं को स्कूल बैग,पेंसिल बॉक्स,टिफिन और प्रसाद देकर माँ काली की पूजा आरती की गई इसका आयोजन लखनऊ व्यापार मण्डल ने लिया था जिसमें मुख्य अतिथि के रूप से चेयरमैन राजेंद्र अग्रवाल,अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा रहे। आयोजक

मण्डल वरिष्ट महामंत्री पवन मनोचा,महामंत्री अनुराग मिश्रा,वरिष्ट उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल,उपाध्यक्ष आनंद रस्तोगी,उपाध्यक्ष कृष्णा पाल अनुराग दीक्षित,निहारिका सिंह ,युवा महामंत्री मनीष अरोड़ा, संजीव रस्तोगी आदि उपस्थित रहे।

पत्रकार के परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने के लिए सांसद श्याम सिंह यादव ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : सांसद श्याम सिंह यादव द्वारा मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र के बाद आर्थिक संकट से जूझ रहे पत्रकार के परिवार को उम्मीद जगी है। एक सप्ताह पूर्व मृत पत्रकार के परिजनों ने सांसद से मिलकर पत्र दिया था। सांसद द्वारा मुख्यमंत्री को लिखे गए पत्र के बाद जिला प्रशासन हरकत में आया । गुरुवार को क्षेत्रीय लेखपाल ने पत्रकार के घर जाकर आवश्यक कागजात लिया । पांच साल पूर्व मान्यता प्राप्त पत्रकार यादवेंद्र दूबे मनोज की दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की अदूरदर्शिता के चलते आजतक कोई भी आर्थिक सहायता नहीं मिल सकी । जानकारी के अनुसार सैदनपुर गांव निवासी मान्यता प्राप्त पत्रकार यादवेंद्र दूबे मनोज की 5 फरवरी 2018 को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। जिला प्रशासन और तत्कालीन नगर विकास राज्यमंत्री गिरीश चंद यादव द्वारा शासन को पत्र लिखा गया था लेकिन आजतक मृत पत्रकार के परिवार को कोई आर्थिक सहायता नहीं मिल सकी। पत्रकार की पत्नी और बच्चों ने कई बार सत्ताधारी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से मिलकर पत्र दिया लेकिन किसी ने भी ध्यान नहीं दिया । विगत दिनों पत्रकार के भाई ज्ञानेंद्र दूबे और पुत्र अंकुर

दूबे ने जौनपुर के सांसद श्याम सिंह यादव से मिलकर अपनी पीड़ा बताई और शासन से आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की। पत्रकार के परिजनों की पीड़ा सुनकर सांसद भावुक हो गए। उन्होंने तत्काल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर मान्यता प्राप्त पत्रकार के परिजनों को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की।मुख्यमंत्री को भेजे गए सांसद के पत्र पर गुरुवार को लेखपाल ने गांव में पहुंचकर जांच की और परिजनों से आवश्यक कागजात लिए।

बनारस महामूर्ख मेला: जहां मूर्ख बनने के लिए 55 सालों से घाट पर आते हैं बनारसी

वाराणसी ब्यूरो : मंदिरों के शहर बनारस की परंपराएं भी अलग–अलग हैं। धर्म और संस्कृति के अलावा संत कबीर का यह शहर अपनी ही अल्हड़ मस्ती, फक्कड़पन व मौज के लिए जाना जाता है। इसी परंपरा को गंगा के तट पर पिछले 55 सालों से महामूर्ख मेले के रूप में जीवंत रखा गया है। मूर्ख बनने के लिए बनारसी पिछले 55 सालों से काशी के घोड़ा घाट पर इस परंपरा के साक्षी बन रहे हैं। जी हां घोड़ा घाट जिसका नाम शायद अब लोग बिसरा चुके हैं। घोड़ा घाट अब डॉ. राजेन्द्र प्रसाद घाट के नाम से जाना जाता है। इस घाट पर पिछले कई छह दशकों से शनिवार गोष्ठी की ओर से पहली अप्रैल को महामूर्ख मेला आयोजित हो रहा है। काशी के साहित्यकारों, साहित्यसेवियों तथा हास्य रसिकों के मंच ने बनारस की मौज, मस्ती, फक्कड़पन, अल्हड़ मिजाजी को जिंदा रखने की परंपरा का जो बीड़ा उठा रखा है उसके सहयोगी काशीवासी भी हैं। ना कोई प्रचार ना तो कोई बैनर, हर काशीवासी को एक अप्रैल की शाम का इंतजार रहता है। शाम के सात बजते–बजते राजेंद्र प्रसाद घाट का मुक्ताकाशीय मंच दर्शकों से खचाखच भर जाता है। महामूर्ख मेला में लाखों लोग खुद–बखुद मूर्ख बनने के लिए घाट की सीढ़ियों पर आकर बैठ जाते हैं। दर्शक घोड़ा घाट की सीढ़ियां पर बैठ कर घंटों ठहाका लगाते हुए इसका आनंद लेते हैं। डेढ़सी पुल से हुई थी शुरूआत महामूर्ख मेला के संयोजक सुदामा तिवारी सांड़ बनारसी बताते हैं कि 55 साल पहले महामूर्ख मेले की शुरुआत डेढ़सी पुल से हुई थी। उस दौरान चकाचक बनारसी, बेढब बनारसी, मोहनलाल गुप्त भइयाजी बनारसी, माधव प्रसाद मिश्र (एम भारती), केदारनाथ गुप्त, धर्मशील चतुर्वेदी व सांड़ बनारसी ने डेढ़सी पुल से की थी। इसके बाद पं. करुणापति त्रिपाठी ने इसको बजड़े पर करने को कहा। इसके बाद चौक थाने के

सामने भद्दोमल की कोठी पर आयोजन होने लगा और कोठी जब ध्वस्त हो गई तो चौक थाने में भी महामूर्ख मेला सजने लगा। बाद में यह आयोजन घोड़ा घाट (डॉ. राजेन्द्र प्रसाद घाट) पर शुरू हुआ। बेमेल विवाह का साक्षी है महामूर्ख मेला महामूर्ख मेला में अब तक न जाने कितने ही विशिष्ट जन बेमेल विवाह के बंधन में बंध चुके हैं। इसमें पुरुष दुल्हन और महिला दूल्हा बनती है। कार्यक्रम की शुरुआत गर्दभ (गधा) ध्वनि से होता है। चीपो चीपो की आवाज से जब घाट गूंजने लगता है तो पूरा माहौल ठहाकों से गूंज उठता है। इसमें दूल्हा–दुल्हन बनने वालों में पीलू मोदी, महेन्द्र शाह, सुनील शास्त्री, पं. लोकपति त्रिपाठी, चन्द्रा त्रिपाठी, श्याम लाल यादव, शैल चतुर्वेदी, गोविंद अग्रवाल, डॉ. अनुराग टंडन, डॉ. शालिनी टंडन आदि कई विशिष्ट जनों के नाम जुड़े हैं। जीवन की सबसे बड़ी मूर्खता है विवाह मेले के संचालक व हास्य कवि दमदार बनारसी ने बताया कि महामूर्ख मेला काव्य साहित्यिक जगत का अविरल मेला है। गंगा के तट पर सजने वाला महामूर्ख मेला इस सोच से आरंभ किया गया था कि आज हर कोई मूर्ख है। जीवन की सबसे बड़ी मूर्खता विवाह है और इसी के आधार पर बेमेल विवाह का आयोजन होता है। कवियों को उटपटांग उपहार देकर सम्मानित किया जाता है।

अरविंद केजरीवाल बहुत जल्द जाने वाले हैं जेल राहुल गांधी को लेकर बोली बड़ी बात –मनोज तिवारी

मिर्जापुर ब्यूरो : अरविंद केजरीवाल बहुत जल्द जेल जाने वाले हैं। केजरीवाल भ्रष्टाचारियों के बहुत बड़े सरदार हैं। भगवान श्रीराम हमेशा न्याय करते हैं। यब बात सांसद मनोज तिवारी ने गुरुवार को जिले में राम नवमी पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने से पूर्व पत्रकार प्रतिनिधियों से कही। उन्होंने कहा कि उनके दो सबसे करीबी जेल में हैं। उनको वह धोखा देकर रखे थे कि उनको कुछ भी नहीं होने देंगे, बचा लेंगे। किसी दिन जेल में वो दोनों ही न बता दें कि असली मास्टरमाइंड यही हैं। आगे कहा कि वर्तमान में देश में जो लोकतंत्र है, भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टालरेंस है, ऐसे में अपराधी का लंबे समय तक बचना संभव नहीं है। 'राहुल गांधी को अहंकार है' एक सवाल के जवाब में कहा कि राहुल गांधी को अहंकार है। ऐसा नहीं है कि इससे पहले किसी की सदस्यता नहीं गई। 2019 में जब मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी तब प्रह्लाद लोधी को दो साल की सजा कोर्ट ने सुनाई थी। भाजपा ने किसी को दोष नहीं दिया था। उन्हें दो ढाई महीने में हाईकोर्ट ने बहाल कर दिया। कांग्रेस की सरकार ने जिस दिन सजा सुनाई गई उसी दिन सदस्यता समाप्त करने का सर्टिफिकेट दिया था। उन्होंने कहा कि इतनी छोटी याद्दाश्त नहीं होनी चाहिए उनकी। वह भी कानून का पालन करें। निचली अदालत का निर्णय है। अगर आपको लगता है कि ओबीसी समाज को गाली देना आपका जन्मसिद्ध अधिकार है तो जाकर हाईकोर्ट में कहिए। इससे पूर्व उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से राम भगवान के जन्मोत्सव पर देश

में जो उत्साह है उसे शब्दों में नहीं बताया जा सकता। समय के साथ पांच सौ वर्षों से भगवान राम के जन्मभूमि के टूटे हुए मंदरि को लेकर जो निराशा थी वह दूर होने वाली है। फरवरी 2024 तक राम मंदिर में सभी दर्शन करेंगे। निश्चित रूप से इस बार जन्मोत्स्व का उत्साह अलग है। आगे कहा कि बहुत दिनों से मिर्जापुर की शोभायात्रा के बारे में सुनता था। आमंत्रित करने के लिए भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य मनोज श्रीवास्तव व उनकी टीम को धन्यवाद दिया।

भारत विकास परिषद ने चैत्र राम नवमी पर किया प्रसाद वितरण

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : भारत विकास परिषद शाखा के तत्वावधान मे चैत्र शुक्ल नवमी के पावन पर्व पर कृषि भवन प्रांगण में स्थित माँ दुर्गा मंदिर परिसर में पूजन हवन पश्चात नवकन्या रूपी मां दुर्गा के स्वरूप दर्शन कर परिषद परिवार की महिलाओ ने कन्याओ का पांव धुलाकर पांवो मे महावर लगाया। परिषद महिलाओ ने कन्या पूजन कर भोजन कराया।कन्याओ का चरण वंदन कर अगले नवरात्र मे आने का वचन

लिया।साथ ही गौशाला मे गौ माता को हरा चारा भी खिलाया। तत्पश्चात प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष में रामनवमी की शोभायात्रा निकाली गई । देर शाम समापन स्थल पर महिलाओ एव बच्चो द्वारा राम भक्तो को प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष शिव कुमार गुप्ता ने बताया कि श्रीराम रामेति रामेति रमे रमे मनोरमे रामनवमी का त्योहार बेहद ही खास और पवित्र इसलिए माना जाता है,इस दिन जगत के रक्षक यानि प्रभु श्रीराम का जन्म हुआ था।खुशी और उल्लास के इस त्योहार का मनाने का उद्देश्य ''ज्ञान के प्रकाश का उदय हो''।कार्यक्रम मे पूर्व अध्यक्ष अवधेश गिरी व निशा गिरी,विक्रम गुप्त व सविता गुप्ता,दिलीप जायसवाल व बबिता जायसवाल,प्रदीप जायसवाल व चंदा जायसवाल ,शिवकुमार व रेखा गुप्ता,शरद साहू व ममता साहू, भृगुनाथ पाठक, अतुल जायसवाल,मनीष चौरसिया,ऋषि श्रीवास्तव, संजय अस्थाना, अजयनाथ, अजय श्रीवास्तव, गौतम।संचालन सचिव पंकज सिंह ने किया।निवर्तमान अध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव ने शोभा यात्रा मे आये सभी आगंतुको का आभार व्यक्त किया।

हिन्दु युवा वाहिनी ने निकाली भव्य शोभा यात्रा

सुजानगंज जौनपुर (विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी) : जनपद के सुजानगंज में रामनवमी के अवसर पर हिन्दु युवा वाहिनी द्वारा श्रीराम की भव्य शोभायात्र निकाला गया। डीजे, आतिशबाजियां और श्रीराम का विशालकाय

रथ आकर्षण का केन्द्र रहे। कार्यक्रम धीरज गुप्ता एवं गोलू उमर के नेतृत्व में आयोजित हुआ। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जन्म दिवस रामनवमी के अवसर पर सुजानगंज पुरानी बाजार से मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। वहीं डीजे की धुन पर नाचते झूमते मातृशक्तियों सहित सैकड़ों रामभक्तों का जयघोष और पुष्पवर्षा के बीच श्रीराम के भव्य रथ ने शोभायात्रा को बेहद रमणीय रूप दिया। शोभायात्रा सुजानगंज के पुरानी बाजार से उठकर तिराहा, रोडवेज, से होता हुआ श्री गौरी शंकर धाम पहुंचकर समापन हुआ। इस दौरान कई स्थानों पर मर्यादा पुरूषोत्तम की आरती की गई। इस दौरान अनिल पांडे प्रधान,आलोक सिंह, राहुल सोनी, नीरज सिंह, अंकित शुक्ला,सूरज उमर, आर्यन, अनुभव, बलराम उमर, गोलू समेत सैकड़ों राम भक्त महिलाएं युवा शामिल रहे।कार्यक्रम का संचालन अंशु तिवारी ने किया.

मां पंतवारी देवी मंदिर में हुये भंडारे में लोगों ने ग्रहण किया प्रसाद

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव पाली–(हरदोई) कस्बे की सुप्रसिद्ध पथंवारी देवी मंदिर पर शुक्रवार को बड़े धूमधाम से भंडारे का आयोजन हुआ। भण्डारे में नगर व क्षेत्र के लोगों ने काफी संख्या पहुंचकर परसाद ग्रहण किया। गौरतलब है

नगर की पंथवारी देवी मंदिर पर नवरात्रि का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। साथ ही मंदिर कमेटी की तरफ से मां ज्वाला देवी की ज्योति लाई गई थी मंदिर परिसर पर 9 दिन रामकथा चली, जिसमें काफी संख्या में लोगों ने कथा का रसपान किया। कथा समापन के अंतिम दिन मंदिर परिसर पर भंडारा किया गया। जिसमें काफी संख्या में लोग पहुंचे और मां का आशीर्वाद लेकर प्रसाद ग्रहण किया। वहीं मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने नगर के पत्रकारों को सम्मानित किया।

सेवानिवृत्त शिक्षकों को दी गई विदाई

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों में न्याय पंचायत बारी के विभिन्न विद्यालयों से 31 मार्च 2023 को सेवानिवृत हुए तीन शिक्षकों को एक कार्यक्रम का आयोजन कर विदाई दी गई। उक्त कार्यक्रम का आयोजन संविलियन विद्यालय बारी में किया गया। प्राथमिक विद्यालय गनुआपुर से मुश्ताक अली खाँ, उ० प्रा० वि० सिंगुलापुर से दयाशंकर शुक्ल एवं उ० प्रा० वि० हरिदासपुर से सेवानिवृत्त हो रही शिक्षिका नसीमा बेगम को सम्मान स्वरूप घड़ी,छाता,अंग वस्त्र, धार्मिक पुस्तक एवं अन्य वस्तुएं प्रदान कर विदाई दी गई। उक्त कार्यक्रम का आयोजन न्याय पंचायत बारी के सभी शिक्षकों ने मिलकर किया। कार्यक्रम में शिक्षक प्रभाकर बाजपेई, विकास नायक, आशुतोष मिश्र, जितेन्द्र श्रीवास्तव, संतोष कुमार, आशुतोष कुमार पाल,आनन्द, राजेश कुमार वर्मा, अनिल कुमार, विनीत कुमार रेहान खां, कुलदीप कुमार, राजकुमार,मनोज मौर्या सीमा राठौर आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

समर सिंह 24 घंटे के अंदर होगा गिरफ्तार : थाने पहुंचे आकांक्षा दुबे के परिजनों को पुलिस ने दिया भरोसा

वाराणसी ब्यूरो : भोजपुरी गायक समर सिंह और उसके सहयोगी को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया जाएगा। यह आश्वासन वाराणसी के सारनाथ थाने की पुलिस ने आकांक्षा दुबे की मां समेत अन्य परिजनों को दिया है। दरअसल, आकांक्षा की मौत के मामले में आरोपी समर समेत दो लोगों की अब तक गिरफ्तारी न होने से नाराज मां मधु दुबे ने शुक्रवार सारनाथ थाने पर जमकर हंगामा किया। मधु दुबे और जनसत्ता पार्टी के जौनपुर जिलाध्यक्ष राजन त्रिपाठी व उनके समर्थकों ने थाने में पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कहा कि पुलिस की मिलीभगत से अभी तक आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। पुलिस ने पूछताछ के लिए जिस युवक को गिरफ्तार किया था उसे भी छोड़ दिया। आकांक्षा के कमरे में जो युवक 17 मिनट तक था उसपर कोई कार्रवाई नहीं की गई। होटल के मैनेजर पर भी घटना में शामिल होने का आरोप लगाया। पुलिस अधिकारियों से बातचीत के बाद परिजनों ने मीडिया से बातचीत की। बताया कि पुलिस ने समर सिंह को 24 घंटे में गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है। यदि पुलिस उन्हें गिरफ्तार नहीं करती है तो फिर सीएम योगी के यहां गुहार लगाएंगे। आकांक्षा की मां ने कहा कि मुख्यमंत्री से सीबीआई जांच की मांग करेंगे। आकांक्षा की मां ने टेबल पर तोड़ी चूड़ियां सारनाथ थाने में पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए मधु दुबे थानेदार से न्याय की गुहार लगाती रही और फिर रोने लग रही थी। बेटी के वियोग में वह रह–रहकर भावुक हो जा रही थी। उन्होंने थानेदार के टेबल पर दोनों हाथ पटककर अपनी चूड़ियां तोड़ डाली। बार–बार कहती रही कि मुझे हर हाल में न्याय चाहिए। समर सिंह ने मेरी बेटी की जिंदगी ली है और मेरा हंसता खेलता परिवार भी उजाड़ दिया है। आरोप लगाया कि उसे पुलिस बचा रही है। पुलिस ने समर सिंह को किस बिल में छुपाकर रखा है। कितने पैसे उसने दिए हैं। लाइव वीडियो में साफ दिख रहा है कि मेरी बेटी की हत्या हुई है। मेरी बेटी को थप्पड़ मारा गया है। क्या कानून की आंखें फूट गई हैं। समर सिंह का क्या

बिगाड़ा था मेरी बेटी ने ? आज अगर उसकी गिरफ्तारी नहीं हुई तो मैं खुद को यहीं खत्म करुंगी। इस कारण पुलिस पर बरसी आकांक्षा की मां आकांक्षा की मां ने सवाल पूछा कि यूपी में बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओं नारा हवा हो गया है। महिला अपराध पर नियंत्रण के दावे कागजी मालूम पड़ने लगे हैं। मैंने समर सिंह और उसके भाई के खिलाफ शोषण, मारपीट, धोखाधड़ी समेत कई आरोप लगाए और तहरीर दी। लेकिन पुलिस ने सिर्फ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने की धारा 306 के तहत मुकदमा दर्ज किया। बाकी धाराएं पुलिस खा गई। बताया कि पिछले साल आकांक्षा ने सारनाथ में जन्मदिन मनाया था। तब भी समर सिंह ने उसे मारापीटा था। इसकी शिकायत आकांक्षा ने सारनाथ चौकी में की थी। तब पुलिस ने समझाकर किसी तरह मामले को शांत करा दिया था। हाल ये रहा कि समर और संजय मेरी बेटी को लगातार प्रताड़ित करते रहे। अब बेटी की मौत के बाद पुलिस मामले को दबाने और आरोपियों को बचाने में लगी है। जनसत्ता पार्टी के जौनपुर जिलाध्यक्ष राजन त्रिपाठी ने कहा कि आकांक्षा ही परिवार का भरण पोषण करती थी। उसकी मौत सेपरिवार की जीविका का साधन भी समाप्त हो गया। आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो आंदोलन बड़ा होगा। थाने से बाहर निकले फिल्म डायरेक्टर अमित राय ने कहा कि अब तक हुई पुलिसिया कार्रवाई से संतुष्टि नहीं है। आज अधिकारियों ने 24 घंटे में आरोपियों को गिरफ्तार करने का भरोसा दिया है।

बच्चों को बुलाने घर–घर जाएंगे गुरुजी : निजी स्कूलों के तर्ज पर काम कर रहा बेसिक शिक्षा विभाग

बलिया ब्यूरो : शिक्षा की धारा से शत–प्रतिशत नौनिहालों को जोड़ने के साथ परिषदीय स्कूल में नामांकन बढ़ाने के लिए स्कूल चलो अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान में गुरुजी घर–घर दस्तक देंगे। शिक्षा से वंचित बच्चों को चिह्नित कर उनका स्कूल में प्रवेश दिलाएंगे। बेसिक शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों में छात्र संख्या बढ़ाने के लिए निजी स्कूलों की तर्ज पर कार्य करना शुरू कर दिया है। नए शैक्षणिक सत्र 2023–24 में प्रवेश के लिए स्कूल में कार्यरत शिक्षक व प्रधानाध्यापक घर–घर जाकर अभिभावकों से संपर्क करेंगे। इस दौरान पांच वर्ष आयु के बच्चों को सूचीबद्ध करते हुए उनका प्रवेश कराने के लिए प्रेरित करेंगे। अभियान के दौरान बीच में स्कूल छोड़ने वाले बच्चों को भी चिह्नित कर उन्हें शिक्षा की धारा से जोड़ा जाएगा। अभिभावकों को स्कूल की उपलब्धियों और सुविधाओं के बारे में जानकारी देते हुए गांव व आसपास के अशिक्षित बच्चों को शिक्षा से जोड़ने में सहयोग करने की अपील की जाएगी। स्कूलों में दाखिले बढ़ाने के लिए पंपलेट वितरित करने के साथ होर्डिंग्स लगाई जाएंगी। स्कूलों के बच्चों की संख्या बढ़ाने की मुहिम में केवल शिक्षक ही नहीं बीईओ और बीएसए भी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। अभियान में जनप्रतिनिधि

ायों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। स्कूलों में बनेंगे हेल्प डेस्क परिषदीय स्कूलों में हेल्प डेस्क स्थापित होगा। डेस्क पर अभिभावकों को मॉडल संस्कृति व सामान्य राजकीय स्कूल की उपलब्धियां बताई जाएंगी। इसके अलावा हिंदी व अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई, स्मार्ट क्लास, डिजिट लैब, ड्यूल डेस्क, वाटर कूलर व निशुल्क शिक्षा के साथ पाठ्य पुस्तक व यूनिफॉर्म अनुदान की जानकारी दी जाएगी। एक से शुरू होगा अभियान अभियान एक अप्रैल से शुरू होगा। शिक्षकों ने डोर–टू–डोर प्रचार शुरू कर दिया है। छात्र संख्या बढ़ाने के साथ शिक्षा की धारा से शत–प्रतिशत बच्चों को जोड़ना प्राथमिकता है। –मनिराम सिंह, बीएसए, बलिया।

निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी श्री अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में स्थानीय पर्यटन विकास की संभावनाओं से संबंधित निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जनपद जौनपुर के कल्याणपुर में डीह बाबा स्थल के सौन्दर्यीकरण एवं पर्यटन विकास की समीक्षा करते हुए उत्तर प्रदेश रा0 निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ लिमिटेड वाराणसी को निर्देशित किया कि कार्य 10 अप्रैल तक प्रत्येक दशा में शुरू हो जाए। उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड के अधिकारी द्वारा बताया गया कि जनपद जौनपुर के शास्त्री पुल के पास स्थित शिव जी के मंदिर एवं हनुमान जी के मंदिर के पर्यटन का विकास कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण हो गया है जिस पर मुख्य विकास अधिकारी के द्वारा सत्यापन कराए जाने के निर्देश दिए गए। शाहीपुल के पास स्थित हनुमान मंदिर, राम जानकी मंदिर, काली जी मंदिर, दुर्गा जी मंदिर एवं शिव मंदिर के कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि स्वीकृति कार्य के हिसाब से कार्य का सत्यापन कराए जाएं। इस दौरान जिलाधिकारी के द्वारा प्रस्तावित कार्यों की विस्तार से समीक्षा की और कार्यदाई संस्था को निर्देशित किया कि शासन के दिए गए समय सीमा के

अन्दर कार्य पूर्ण कराएं और जो भी कार्य कराया जाए वह गुणवत्तापूर्ण रहे। इस अवसर पर जिलाधिकारी सदर सुनील कुमार, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी आर0डी0 यादव, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य कार्यदाई संस्था के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

युवा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की हुई घोषणा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद जयंत चौधरी के निर्देशानुसार युवा राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंदन चौहान विधायक ने युवा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की आज घोषणा की। यह जानकारी राष्ट्रीय लोकदल व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने दी।

रामजन्मभूमि कनक भवन हनुमानगढ़ी व नागेश्वरनाथ मन्दिर में भक्तों का लगा रहा तांता

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। रामनगरी अयोध्या में गुरूवार को चौत्र राम नवमी के अवसर पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा, लाखों श्रद्धालुओं ने ब्रह्ममूहुर्त में पावन सलिला सरयू में आस्था की डुबकी लगाई और सरयू तट पर स्थित नागेश्वर नाथ मंदिर में सुबह से लम्बी कतारों में लगकर भगवान शिव का जलाभिषेक कर हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि परिसर में विराजमान राम लला का दर्शन पूजन किया। कनक भवन समेत अन्य मंदिरों में जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया, रामलला के दरबार को फूलों से सजाया गया है। जन्मोत्सव पर रामलला रत्नजड़ित पीले वस्त्र में भक्तों को दर्शन दे रहे हैं। राम सहित चारों भाइयों को सोने का मुकुट पहनाया गया। वहीं रामनवमी पर स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। इस बार राम नवमी ऐतिहासिक राम नवमी है। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) मधुबन सिंह ने बताया, भक्तों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे अयोध्या शहर में बड़ी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवानों को तैनात किया गया। रामनवमी मेले के इस बड़े धार्मिक आयोजन के लिए कोई खतरा नहीं है, लेकिन हमने सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव व्यवस्था की है। माना जाता है कि दोपहर के समय जब भगवान राम का जन्म हुआ था अयोध्या के सभी मंदिरों में विशेष पूजा–अर्चना की गई थी। राम नवमी पर लोगों ने भगवान राम

को समर्पित भक्ति गीत गाए और उनके जन्म का जश्न मनाने के लिए प्रतीकात्मक रूप से राम लला की प्रतिकृतियों को पालने में झुलाया। कई मंदिरों से राम, उनकी पत्नी सीता, भाई लक्ष्मण और भक्त हनुमान की रथ यात्रा (रथ जुलूस) निकाली गई। लाखों की संख्या में लोग पवित्र नदी सरयू के तट पर एकत्रित हुए और पवित्र स्नान किया तथा कुछ अन्य लोगों ने उपवास रखा। इस बीच, रामनवमी के अवसर पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम जन्मभूमि परिसर में ताजे फूलों से सुंदर सजावट की थी। मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास द्वारा विशेष पूजा–अर्चना की गई और रामलला ने हरे रंग के वस्त्र धारण किए।

जनसहभागिता से होगी श्रीराम वन गमन की साइकिल यात्रा – अभिषेक सावंत

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या अपनी पौराणिक,सांस्कृतिक,ऐतिहासिक और श्रीराम मंदिर के भव्य निर्माण के साथ विश्व पटल पर स्थापित होने के लिए तैयार है। समय–समय पर न सिर्फ अयोध्या बल्कि श्रीराम वन गमन पथ से जुड़े स्थलों की खोज और प्रासंगिता के प्रचार–प्रसार के लिए शोधार्थियों का समूह राम गमन पथ पर जाता रहा है। ऐसे में अयोध्या के निवासी अयोध्या डायरी टूरिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष अभिषेक सावंत भी राम गमन पथ की ओर 06 अप्रैल दिन गुरुवार को शोध और अयोध्या के पर्यटन प्रचार–प्रसार के लिए जायेंगेद्य ऐतिहासिक गुरुद्वारा नजरबाग में एक पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए अभिषेक सावंत कहते हैं उनकी यात्रा सामाजिक सहयोग से शुरू हो रही है जिसमे ''मेरी यात्रा एक रुपए में अयोध्या से रामेश्वरम'' अभियान से लोग उनसे जुड़ सकते है। साइकिल मोबाइल, बैग जैसे जरूरी संसाधन जनसहयोग से मुझे प्राप्त भी हो रहे हैं। वही अयोध्या की कई सामाजिक संस्थाएं भी सहयोग के लिए आगे आ रही है। अभिषेक सावंत की यह यात्रा पर्यटन और पर्यावरण जागरुकता पर केंद्रित होगी, जिसमे सावंत साइकिल से लगभग 5000 किमी की यात्रा करेंगेद्य सांस्कृतिक, ऐतिहासिक कला–विरासत की यह यात्रा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिल नाडु राज्यों के बीच की संस्कृति को भी अयोध्या से जोड़ने का कार्य करेगी। यात्रा के पड़ाव में पड़ रहे स्थलों पर श्रीराम जन्म भूमि की मिट्टी से जनसहयोग के माध्यम से रामायणकालीन पौधों का भी पौधरोपण किया जायेगा। अभिषेक सावंत साक्षात्कार में बताते है कि श्री राम वन गमन की साइकिल यात्रा का उद्देश्य युवा पीढ़ी को न सिर्फ अयोध्या बल्कि राम वन गमन पथ के स्थलों से अवगत करवाना है। पर्यटन में जागरूकता के साथ पर्यावरण, नदियों का संरक्षण, कला संस्कृति का संरक्षण जैसे लक्ष्य को लेकर शैक्षणिक संस्थानों में छात्र–छात्राओं के बीच जाना है। जनसहयोग की अपेक्षा के साथ विभिन्न राज्यों से गुजरते हुए सामाजिक संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं और लोक कलाकारों के सहयोग से शोध के नए स्वरुप को सफल बनाना है। सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यम से यात्रा वृतांत मेरे चैनल @ayodhyadiary पर व्लॉग से दिखाई जाएगी साथ ही ''पहिया'' नामक पुस्तक का लेखन भी किया जा रहा है। पहिया यानि की त्रेतायुग से वर्तमान कालचक्र के घटनाक्रम एवं श्रीराम वनों में जिन मार्गों से गुजरे उनके पीछे कई नयी संस्कृतियों के जन्म की खोज का वर्णन भी पुस्तक में प्रकाशित किया जायेगा। अयोध्या नजरबाग गुरुद्वारा में पत्रकारवार्ता में गुरुद्वारा के सेवादार सरदार नवनीत सिंह कहते है कि विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ने का कार्य युग युगांतर से शोध और लेखन के द्वारा होता रहा है। आज के भौतिक युग में जहां हर कोई केवल अपने निजी विकास को लेकर जीविकोपार्जन में लगा है। ऐसे में एक यात्रा के रूप में हमारी संस्कृति, इतिहास, धर्म और भारतीय संकृति के भविष्य को एक सूत्र में पिरोने का कार्य अभिषेक सावंत करने जा रहे है तो मुझे लगता है सभी को बढ़चढ़ कर इनका सहयोग करना चाहिए। अभिषेक सावंत अयोध्या में 8 वर्षो से स्वतंत्र पत्रकार के रूप में कार्य कर रहे है। डॉक्टर राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र सभा के सदस्य भी है। विगत कई वर्षों से पर्यटन के क्षेत्र में भी अयोध्या की पौराणिकता और ऐतिहासिकता को तथ्यपूर्ण जानकारियों के साथ देश–विदेश के पर्यटकों को अयोध्या भ्रमण करवाने का भी कार्य कर रहे है। बनारस की संस्था टूरिज्म वेलफेयर एसोसिएशन अयोध्या चेप्टर के सह–संयोजक भी अभिषेक सावंत है। जिला प्रशासन के सहयोग से मॉरीशस के राष्ट्रपति, उप्र के पूर्व राज्यपाल राम नाईक, सूबे के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह और कई केंद्रीय/राज्य मंत्रियों, प्रशासनिक अधिकारियों को भी अयोध्या दर्शन करवाने का अनुभव भी सावंत के पास है।

जिला चिकित्सालय अयोध्या में तीमारदारों व चिकित्सको में मारपीट की घटनाओं में इजाफा

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) जिला चिकित्सालय में इस समय सक्रिय दलालों व अराजकतत्वों का बोलबाला है।जिसके चलते इस चिकित्सालय में भर्ती होने वाले मरीजों व उनके परिजनों व इस चिकित्सालय में भर्ती होने वाले मरीजों के साथ चिकित्सकों व कर्मियों में तू तू मैं मैं की घटनाएं बढ़ी हुई है।यहां तक कि यह नौबत मारपीट तक आ जाती है।जिस पर जिला चिकित्सालय मैं तैनात चिकित्सकोंद्व कर्मियों की कार्यशैली पर भी अब प्रश्नचिन्ह लगने लगा है। क्योंकि इन चिकित्सकों व कर्मियों से मरीजों व उनके परिजनों से तू तू मैं मैं की घटनाओं में इजाफा हुआ है।परंतु इस गंभीर समस्या पर यहां पर तैनात प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ सी बी एन त्रिपाठी भी रोक नहीं लगा पा रहे हैं।इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक सप्ताह के अंदर जिला चिकित्सालय में दो घटनाएं घटी हुई हैं।इन दोनों घटनाओं की शिकायत प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ सी बी एन त्रिपाठी ने कोतवाली नगर में तहरीर देकर किया था।जिसको संज्ञान में लेते हुए प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली नगर अश्वनी कुमार पाण्डेय ने मुकदमा दर्ज कर लिया था।उन्होंने बताया किद्ध पहले की जो मुकदमा दर्ज कराया गया था उसमें समझौता हो गया था वही गुरुवार की घटना में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। अगर देखा जाए तो पहले तो सीएमएस डॉ सी बी एन त्रिपाठी मारपीट की शिकायत दर्ज कराते हैं उसके बाद किसी के दबाव में आकर अपनी शिकायत वापस ले लेते हैं।जिसके चलते जिला चिकित्सालय में सक्रिय दलालों व अराजक तत्वों मनोबल बढ़ता है। इसके साथ ही साथ इन अराजक तत्वों के बहकावे में आकर मरीजों के परिजन भी चिकित्सा कर्मियों में मारपीट तक कर लेते हैं। इस बात की पुष्टि करते हुए जिला चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर सी बी एन त्रिपाठी ने बताया कि इधर कुछ दिनों से इस चिकित्सालय में अराजक तत्वों व दलालों से तो मुक्ति मिली हुई है लेकिन इस समय मरीजों व उनके परिजनों के साथ चिकित्सा कर्मियों में कुछ छोटी मोटी बातों को लेकर तू तू मैं मैं हो जा रही है।लेकिन या विवाद का विषय नहीं है।परंतु यह मामला और तूल न पकड़े इसे गंभीरता से लेते हुए कोतवाली नगर परिषद में मुकदमा दर्ज कराया था।वही दोनों में समझौता होने के चलते इस शिकायत को वापस ले लिया गया परंतु गुरुवार की घटी घटना के बारे में उन्होंने बताया कुछ अराजक तत्वों में के बहकावे में आकर परिजनों द्वारा चिकित्सकों व वहां पर तैनात कर्मियों से हाथापाई करने की कोशिश किया जोकि कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रामायण से पहले ऋग्वेद में भी राम का जिक्र : दुनिया में 400 से ज्यादा रामायण

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। आज देश में राम नवमी धूमधाम से मनाई गई। भारतीय साहित्य के अनन्तकाल के इतिहास में श्रीराम कथा 2400 सालों से पढ़ी, सुनी और लिखी जा रही है। इन 2400 सालों में हर शताब्दी में कोई एक रामकथा लिखी गई है। भारत के अलावा 9 देश और हैं जहां रामायण को किसी ना किसी रूप में पढ़ा और सुना जाता है। अकबर, जहांगीर और शाहजहां जैसे मुगल शासकों ने भी वाल्मीकि रामायण को उर्दू में ट्रांसलेट कराया था। रामकथा पर कई विद्वानों ने रिसर्च की है, लेकिन सबसे डिटेल रिसर्च करने वालों में फादर प्रो. कामिल बुल्के का नाम आगे है। 1935 में बेल्जियम से भारत आए मिशनरी कामिल बुल्के तुलसीदास की रामचरितमानस से इतना प्रभावित हुए कि उन्होंने रामकथा पर ही चेक कर डाली. प्रो. बुल्के ने दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में लिखी गई रामकथा पर रिसर्च की, उनकी इसी रिसर्च थीसिस पर 'रामकथा' नाम से किताब भी पब्लिश की गई, इसी किताब में दुनिया की उन तमाम रामकथाओं का जिक्र है। दुनिया में 400 रामकथाएं हैं। करीब 3,000 से ज्यादा ग्रंथों में राम का जिक्र है। साधारणतः ये माना जाता है कि राम के जीवन पर सबसे पहला ग्रंथ महर्षि वाल्मीकि द्वारा लिखी गई रामायण है। कुछ हद तक यह सच भी है, लेकिन ऐसा नहीं है कि राम का पहली बार उल्लेख वाल्मीकि ने अपने ग्रंथ में किया था। वेदों में राम का नाम एक–दो स्थानों पर मिलता है। ऋग्वेद में एक स्थान पर राम के नाम का उल्लेख मिलता है, ये तो स्पष्ट नहीं है कि ये रामायण वाले ही राम हैं, लेकिन ऋग्वेद में राम नाम के एक प्रतापी और धर्मात्मा राजा का उल्लेख है।रामकथा का सबसे पहला उल्लेख 'दशरथ जातक कथा' में मिलता है। जो ईसा से 400 साल (अब से 2400 साल) पहले लिखी गई थी। इसके बाद ईसा से 300 साल पूर्व का काल वाल्मीकि रामायण का मिलता है। वाल्मीकि रामायण को सबसे ज्यादा प्रामाणिक इसलिए भी माना जाता है, क्योंकि वाल्मीकि भगवान राम के समकालीन ही थे और सीता ने उनके आश्रम में ही लव–कुश को जन्म दिया था, लव–कुश ने ही राम को दरबार में वाल्मीकि की लिखी रामायण सुनाई थी। साधारणतः ये माना जाता है कि राम के जीवन पर सबसे पहला ग्रंथ महर्षि वाल्मीकि द्वारा लिखी गई रामायण है। कुछ हद तक यह सच भी है, लेकिन ऐसा नहीं है कि राम का पहली बार उल्लेख वाल्मीकि ने अपने ग्रंथ में किया था। वेदों में राम का नाम एक–दो स्थानों पर मिलता है। ऋग्वेद में अकेले राम नहीं, सीता का भी उल्लेख मिलता है। ऋग्वेद ने सीता को कृषि की देवी माना है। बेहतर कृषि उत्पादन और भूमि के दोहन के लिए सीता की स्तुतियां भी मिलती हैं।ऋग्वेद के 10वें मंडल में ये सूक्त है जो कृषि के देवताओं की प्रार्थना के लिए लिखा गया है, वायु, इंद्र आदि के साथ सीता की भी स्तुति की गई है। 'काठक ग्राह्यसूत्र' में भी उत्तम कृषि के लिए यज्ञ विधि दी गई है जिसमें सीता के नाम का उल्लेख मिलता है।साथ ही विधान भी बताया गया है कि खस आदि सुगंधित घास से सीता देवी की मूर्ति यज्ञ के लिए बनाई जाती है। 13वीं–14वीं सदी के 'अध्यात्म रामायण' और 'उदार–राघव' इन दो ग्रंथों में राम के वनवास वाले प्रसंग में राम और सीता का संवाद है, जिसमें सीता राम के साथ वनवास पर जाने के लिए अजीब तर्क दे रही हैं। प्रसंग है कि राम को 14 वर्ष का वनवास हो गया। सीता साथ जाने की जिद पर अड़ी थीं। राम सीता को अयोध्या में ही रोकने के लिए अपने तर्क दे रहे थे।जब सीता को लगा कि राम नहीं मानेंगे और उन्हें अयोध्या में ही छोड़कर अकेले जंगल चले जाएंगे तो सीता ने राम से कहा कि आज तक मैंने जितनी रामकथाएं सुनी हैं, उन सब में सीता राम के ही साथ वनवास पर जाती हैं तो आप मुझे यहां क्यों छोड़कर जा रहे हैं। सीता के इस तर्क के बाद राम मान गए और सीता उनके साथ वनवास पर चल दीं। हनुमान का लंका में जाकर सीता से मिलना, अशोक वाटिका उजाड़ना और लंका को जलाने वाला प्रसंग तो लगभग सभी को पता है, लेकिन कुछ रामकथाओं में इसमें भी बहुत अंतर मिलता है. जैसे 14वी शताब्दी में लिखी गई 'आनंद रामायण' में उल्लेख मिलता है कि जब सीता से अशोक वाटिका में मिलने के बाद हनुमान को भूख लगी तो सीता ने अपने हाथ के कंगन उतारकर हनुमान को दिए और कहा कि लंका की दुकानों में ये कंगन बेचकर फल खरीद लो और अपनी भूख मिटा लो, सीता के पास दो आम रखे थे सीता ने वो भी हनुमान को दे दिए। हनुमान के पूछने पर सीता ने बताया कि ये फल इसी अशोक वाटिका के हैं, तब हनुमान ने सीता से कहा कि वे इसी वाटिका से फल लेकर खाएंगे। 'सेरीराम रामायण' सहित कुछ रामायणों में एक प्रसंग मिलता है कि रावण ने विभीषण को समुद्र में फेंक दिया था। वह एक मगर की पीठ पर चढ़ गया, बाद में हनुमान ने उसे बचाया और राम से मिलवाया, विभीषण के साथ रावण का एक भाई इंद्रजीत भी था और एक बेटा चौत्रकुमार भी राम की शरण में आ गया था। राम ने विभीषण को युद्ध के पहले ही लंका का अगला राजा घोषित कर दिया था। 'रंगनाथ रामायण' में उल्लेख मिलता है कि विभीषण के राज्याभिषेक के लिए हनुमान ने एक बालूरेत की लंका बनाई थी जिसे हनुमल्लंका (सिकतोद्भव लंका) के नाम से जाना गया। कुछ ग्रंथों में ये भी उल्लेख मिलता है कि अशोक वाटिका में सीता की पहरेदारी करने वाली राक्षसी त्रिजटा विभीषण की ही बेटी थी। हनुमान ने राम को बताया था कि विभीषण से हमें मित्रता कर लेनी चाहिए, क्योंकि उसकी बेटी त्रिजटा सीता के प्रति मातृवत यानी माता के समान भाव रखती है। रामकथा सिर्फ संस्कृत या हिंदी ही नहीं, उर्दू और फारसी में भी लिखी गई है। 1584 से 1589 के बीच अकबर ने अल बदायूनी से वाल्मीकि रामायण का उर्दू अनुवाद कराया था। जहांगीर के शासन काल में तुलसीदास के समकालीन गिरिधरदास ने वाल्मीकि रामायण का अनुवाद फारसी में किया था।इसी काल में मुल्ला मसीही ने 'रामायण मसीही' भी लिखी थी। शाहजहां के समय 'रामायण फैजी' लिखी गई। 17वीं शताब्दी में 'तर्जुमा–ए–रामायण' भी लिखी गई। ये सभी वाल्मीकि रामायण के ही उर्दू ट्रांसलेशन थे। 16वीं शताब्दी के बाद से भारत में कई ऐसे विदेशी भारत आए जिन्होंने रामकथा पर रिसर्च की और अपने हिसाब से उसे नए सिरे से लिखा। 1609 में जे. फेनिचियो नाम के मिशनरी ने लिब्रो डा सैटा नाम की किताब लिखी, इसमें विष्णु के दशावतार और रामकथा की पूरी डिटेल थी।ये वाल्मीकि रामायण पर आधारित थी। 17वीं शताब्दी में ए. रोजेरियुस नाम के डच पादरी 11 साल भारत में रहे थे। 1651 में उनकी किताब द ओपन दोरे में रामकथा थी। ये भी वाल्मीकि रामायण से ही प्रेरित थी। इसमें राम के अवतार से उनके रावण वध के बाद अयोध्या लौटने तक की कहानी थी। 1658 में श्रीलंका और दक्षिण भारत के कुछ इलाकों में छह साल तक रहे। पी. बलडेयुस ने डच भाषा में लिखी किताब आफगोडेरैय डर ओस्ट इण्डिशे हाइडेनन में राम जन्म से लेकर उनके स्वर्गारोहण तक की कहानी है। इसमें सीता की अग्निपरीक्षा का भी जिक्र है। 18वीं शताब्दी में एम. सोनेरा नाम के एक फ्रेंच यात्री ने बोयाज ओस इण्ड ओरियंटल नाम की किताब लिखी थी, जिसमें एक छोटी राम कथा है। इस कथा के मुताबिक राम 15 साल की उम्र में अपने भाई लक्ष्मण और पत्नी सीता के साथ वनवास पर गए थे. ऐसे ही 16वीं से 19वीं शताब्दी के बीच करीब 15 अलग–अलग यात्रियों ने भारत घूमने के बाद अपनी किताबों में राम कथा का जिक्र किया है। इनमें से ज्यादातर वाल्मीकि रामायण से ही प्रेरित हैं, फ्रेंच, अंग्रेजी, पुर्तगाली और डच भाषा की किताबों में राम का जिक्र मिलता है। फादर कामिल बुल्के 1 सितंबर 1909 को बेल्जियम में पैदा हुए। वहीं सिविल इंजीनियरिंग में ठैब करने के बाद 1935 में भारत आए, कुछ समय वे दार्जिलिंग में रहे।यहां उन्होंने तुलसीदास की रामचरितमानस के बारे में सुना, रामचरितमानस से उन्हें काफी लगाव हुआ और इसी पर उन्होंने पढ़ाई शुरू की। 1941 में वे पादरी हो गए, उन्हें सबसे ज्यादा लगाव हिंदी साहित्य और तुलसीदास से था। 1945 में इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से उन्होंने हिंदी साहित्य की डिग्री ली,यहीं से रामकथा में डॉक्टरेट की उपाधि भी हासिल की। प्रो. बुल्के की लिखी हिंदी–अंग्रेजी डिक्शनरी को सभी जगह मान्यता मिली। रामकथा पर उनकी रिसर्च को ही किताब के रूप में पब्लिश किया गया जिसका नाम था रामकथा का विकास, हिंदी भाषा के विकास और रामकथा पर रिसर्च के चलते 1974 में भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया।17 अगस्त 1982 को प्रो. बुल्के का निधन हो गया।

सेवानिवृत्त हुए पुलिस कर्मियों को डीआईजी/एसएसपी ने किया सम्मानित

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे तीन पुलिस कर्मियों के सम्मान में पुलिस लाइन परिसर में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रुप में आये डीआईजी/एसएसपी मुनिराज ने पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त हुए उप निरीक्षक राम अवध,उप निरीक्षक हरिप्रकाश सिंह तथा ली. फायरमैन विजय प्रकाश द्विवेदी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुये उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया। मुख्य अतिथि डीआईजी/एसएसपी मुनिराज जी ने उनके द्वारा पुलिस विभाग मे दिये गये योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि पुलिस कर्मी अपने नौकरी के समय में परिवार के साथ साथ सभी सगे संबंधियों को भूलकर जनता की सेवा में हमेशा तत्पर रहते हैं। पुलिस कर्मी सभी पर्वों, त्यौहारो आदि को अपने परिवार के सदस्यों के साथ

न मनाकर समाज में अमन शांति कायम रखने के लिये दिन रात तत्पर रहते हैं। इसलिए इस पुलिस कर्मियों की जितनी तारीफ की जाये कम है। इस मौके पर डीआईजी/एसएसपी मुनिराज के अलावा सीओ सदर डाक्टर राजेश तिवारी मौजूद रहे।

मामूली विवाद में युवक की पीट–पीट कर हत्या : दो गिरफ्तार

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या। गोसाईगंज कोतवाली इलाके के एक गांव में बीती आधी रात को मामूली विवाद के बाद कुछ लोगो ने एक युवक की पीट पीट कर हत्या कर दिया।मामले में मृत युवक की मां की तहरीर पर पांच आरोपितों के खिलाफ हत्या व अन्य धाराओं में केस दर्जकर दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।वंही अन्य नामजद आरोपियो की तलाश में पुलिस टीम लगी हुई है। मामला गोसाईगंज कोतवाली इलाके के अमसिन गांव के मजरे दहलवा महावत का पुरवा गांव की है,जंहा बीती रात गांव के निवासी अहमद उर्फ जफरियाद को गांव के ही कुछ लोग अपने घरों में पत्थर फेंकने के आरोप लगाते हुए मारते पीटते पास में मौजूद कब्रिस्तान में ले गए और लाठी डंडे से जमकर पीटा। जिससे युवक बुरी तरह से घायल होकर मरणासन्न हो गया।युवक की स्थिति को देखकर उसे वंही पर छोड़कर फरार हो गए।युवक के घर वालो को जब इसकी जानकारी हुई तो युवक को लेकर सीएचसी गोसाईगंज पहुंचे जंहा हालत नाजुक देख चिकित्सक ने जिलाचिकित्सालय रेफर कर दिया।जिलाचिकित्सालय पहुँचने पर चिकित्सको ने युवक को मृत घोषित कर दिया। एसएचओ अक्षयकुमार के मुताबिक युवक की माँ की तहरीर पर गांव के ही बेलाल पुत्र बागली,हैदर अली पुत्र आशिक अली,बागली पुत्र यीशू,बाबू खान पुत्र बागली व तकरीनु निशा पत्नी अली खान के खिलाफ केस दर्ज किया गया,जिनमे से बेलाल व हैदरअली को गिरफ्तार भी कर लिया गया है,शेष आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए टीम लगी हुई है।

निकाय चुनाव की आरक्षण सूची जारी : हुआ बड़ा फेरबदल

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रदेश में निकाय चुनाव को हरी झंडी दिए जाने के बाद शुक्रवार देर शाम शासन की ओर से निकायों के अध्यक्ष की आरक्षण सूची जारी होने के बाद बड़े–बड़े पांसे पलट गए। जारी सूची के तहत जपपद के लगभग सभी निकाय क्षेत्रों में पहले किया गया आरक्षण पूरी तरह से पलट गया है। पूर्व में किए गए आरक्षण के तहत नगर निगम पहले सामान्य महिला के रूप में आरक्षित था अब अनारक्षित हो गया है। इसके चलते यहां कांटे की टक्कर के आसार बढ़ गए हैं। वहीं नगर पालिका परिषद रुदौली पहले सामान्य थी अब पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित की गई है। इसी तरह गोसाईगंज नगर पंचायत पहले अनारक्षित अब पिछड़ा वर्ग महिला हो गई है। इसी तरह नगर पंचायत कुमारगंज पिछड़ा वर्ग आरक्षित थी जिसे अब सामान्य किया गया है। वहीं बीकापुर नगर पंचायत अनारक्षित महिला घोषित हुई थी अब पूरी तरह से अनारक्षित हो गई है। नगर पंचायत मां कामाख्या पहले पिछड़ा वर्ग महिला में आरक्षित की गई थी अब अनारक्षित श्रेणी में निर्धारित की गई है। इसी तरह नगर पंचायत खिरौनी अनुसूचित जाति महिला की गई है।

चोरी में शामिल दो आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) अयोध्या पुलिस ने चोरी में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। कोतवाली अयोध्या प्रभारी निरीक्षक मनोज शर्मा ने दर्शन नगर चौकी प्रभारी देवेन्द्र नाथ राय की मदद से सूरज कुण्ड रेलवे क्रासिंग के पास से दो आरोपी भास्कर पाण्डेय उर्फ पप्पू पाण्डेय पुत्र स्वर्गीय राम प्रसाद पाण्डेय निवासी सालिक पंडित का पुरवा सनेथू थाना पूराकलंदर जनपद अयोध्या तथा शिवम पाण्डेय पुत्र राम जी पाण्डेय निवासी रानोपाली निकट गंगा प्रसाद स्कूल थाना को0 अयोध्या जनपद अयोध्या को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके पास से बोलेरो गाडी सं0 यूपी 32 जीयू 1211 बरामद किया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वे आनन्द पाण्डेय पुत्र राजनारायण पाण्डेय निवासी सालिक पंडित का पुरवा सनेथू थाना पूराकलंदर जनपद अयोध्या तथा अभय तिवारी पुत्र बृजनाथ तिवारी निवासी घरैठा दशरथपुर थाना बीकापुर जनपद अयोध्या के साथ मिलकर उक्त बोलेरो गाड़ी में सवारी बैठाकर सवारी का इधर उधर की बातों से उनका ध्यान भटका कर उनके पास से पर्स व पैसो की चोरी कर लेते है और सवारियों को सुनसान स्थान पर ले जाकर उतार देते है पैसो को आपस मे बराबर बराबर बांट लेते है। पुलिस ने इनके पास से पाकेट/पर्स,आधार कार्ड, ए.टी.एम कार्ड,ड्राईविंग लाईसेंस, आई. कार्ड व ग्यारह हजार तीन सौ पचास रुपये बरामद किया।

खोई महिला को पुलिस ने परिजन से मिलाया

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) पुलिस ने राम नवमी मेले मे आई एक महिला जो कि अधिक भीड़ के चलते अपने परिवार से भटक गई।इसकी सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बिछुड़ी महिला को खोजकर सकुशल उसके परिजनों को सौंप दिया। मालूम हो कि राम नवमी मेले में नीलम तिवारी पत्नी जय प्रकाश निवासी रामनवा थाना पथरी बाजार जनपद सिद्धार्थनगर अपने परिवार के साथ आई थी।जो मेले की भीड़ मे अपने परिजनों से बिछड़ गयी थी। अयोध्या पुलिस की तत्परता से खोयी महिला को सकुशल उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया। महिला तथा उसके परिजनों द्वारा अयोध्या पुलिस को धन्यवाद दिया।

सम्पादक मंडल
श्री शिवशंकर द्विवेदी संयुक्त सचिव (सेवा निवृत्त) उ0प्र0 शासन, लखनऊ, पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।